

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: त्रीफ बॉक्स :

प्रधानमंत्री से मिले असम के सांसद, बाढ़ की स्थिति से कराया अवगत



नई दिल्ली, एजेंसी। असम के सांसदों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की और राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'आज असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। केंद्र सरकार, प्रभावित लोगों की मदद के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मैं सभी की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करता हूँ। 'उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से लगातार जारी मूसलाधार बारिश से पूर्वोत्तर क्षेत्र में तबाही मची हुई है। यहां बाढ़ आने से कई परिवार बेघर हो गए हैं। उनका जन-जीवन काफी प्रभावित हुआ है। फिलहाल, जिला प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आर्मी और एयर फ़ोर्स की टीमों लगातार प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी रखे हुए हैं।

दावा- सीजेपी प्रदर्शन में हत्या के 101 आरोपी शामिल थे

दिल्ली पुलिस बोली- प्रोटेस्ट में शामिल 2873 अपराधी, इनमें से 989 पर गंभीर मामले



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस का दावा है कि कॉन्ग्रेस जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन में हत्या के 101 आरोपी शामिल हुए थे। इस प्रदर्शन में आए 2873 लोगों का क्रिमिनल रिकॉर्ड यानी अपराधिक रिकॉर्ड मिला, जिनमें 989 लोगों पर गंभीर मामले थे। इनकी पहचान फेंशियल रिकग्निशन सिस्टम (FRS) और अन्य तकनीकी माध्यमों से की गई। पुलिस का दावा है कि प्रदर्शन में शामिल हुए लोगों में हत्या, यौन अपराध, पॉक्सो, लूट समेत अन्य गंभीर मामलों के आरोपी हैं। सीजेपी ने 20 जुलाई संसद चले मार्च निकाला था। इसमें पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज किया। 25 जुलाई की शाम को धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया। 20 जुलाई को 118 पुलिसकर्मी घायल हुए: दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 20 जुलाई की झड़पों में 118 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए थे। इनमें स्पेशल कमिश्नर, जॉइंट कमिश्नर, एडिशनल कमिश्नर, डीसीपी, एडिशनल डीसीपी और एसपी रैंक के अधिकारियों के अलावा कई महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थीं। वहीं, इस घटना में करीब 60 प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की जानकारी दी गई।

सुप्रीम कोर्ट बोला: नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करें

● छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था ● जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई हो

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में कॉन्ग्रेस जनता पार्टी (CJP) के छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। साथ ही 18 साल से कम उम्र के उन प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई अपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि पहली नजर में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की जरूरत दिखती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस कार्रवाई को लेकर पहले दिए गए दिशा-निर्देशों को अब अपडेट करने का समय आ गया है। 2018 में बने नियम 2026 में कितने कारगर हैं, इसकी भी समीक्षा होगी चाहिए, ताकि प्रदर्शन शुरू होते ही पुलिस के तय प्रोटोकॉल तुरंत लागू हो सकें। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन कानून तोड़ने वालों को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि 250 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्र जांच से प्रदर्शनकारियों और पुलिस, दोनों पक्षों के आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी। सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई तारीख 3 अगस्त तय: सुनवाई के आखिर में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जुनैद मलिक की याचिका पर बुधवार को सुनवाई की मांग का विरोध किया। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि पहले याचिका की सभी तकनीकी कमियां दूर की जाएं। इसी दौरान एक वकील ने अपनी याचिका भी सूचीबद्ध करने की मांग करते हुए कहा कि हिरासत में लिए गए छात्रों की मदद के दौरान उन पर भी हमला हुआ था। बेंच ने कहा कि इस मामले पर बुधवार को सुनवाई होगी, जबकि बाकी संबंधित मामलों को सोमवार को सुना जाएगा। जरूरत पड़ने पर अंतरिम आदेश भी जारी किए जाएंगे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई खत्म कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में ये आरोप स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं। इससे

कोर्ट बोला- मामले की स्वतंत्र जांच की जरूरत, कई राज्यों को नोटिस... सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा- याचिकाओं में आरोप है कि जंतर-मंतर और दूसरे राज्यों में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने छात्रों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया। आरोप है कि पैलेट गन और रबर बुलेट से कई छात्र घायल हुए, एक छात्र की आंख की रोशनी चली गई। भीड़ हटाने के लिए इलेक्ट्रिक बैटन और कील लगी लाठियों का इस्तेमाल किया गया। एक पत्रकार के साथ भी मारपीट हुई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस, दोनों पक्षों के दावों की निष्पक्ष जांच हो सकेगी। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को जवाब दाखिल करने का मौका देते हुए दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, केरल, उत्तर प्रदेश, असम और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों को नोटिस जारी किया।

सीजेपी प्रोटेस्ट में खाना खिलाने वाले जुनैद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

बोले- पुलिस ने 6 घंटे हिरासत में रखा, परिवार को परेशान कर रही

नई दिल्ली, एजेंसी। सीजेपी के जंतर-मंतर प्रदर्शन में छात्रों को खाना खिलाने वाले वालंटियर जुनैद मलिक सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें रास्ते से उठाकर करीब 6 घंटे तक हिरासत में रखा, धमकाया और बाद में देहरादून रोड पर सुनसान जगह पर छोड़ दिया। जुनैद का कहना है कि पुलिस ने उनके परिवार को भी बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए परेशान किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से परिवार के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाने और पूरे मामले की कानून के मुताबिक जांच कराने की मांग की है। जुनैद को पुलिस ने 24 जुलाई को रास्ते से उठाया: याचिका के मुताबिक, 24 जुलाई की आधी रात को जुनैद मलिक एंटी-रेबीज का इंजेक्शन लगवाकर आरएमएल अस्पताल से लौट रहे थे। तभी पुलिस ने उसे उठा लिया और उनका मोबाइल फोन जबरन लेकर अनलॉक कराया गया और उसकी जांच की गई। उनसे पूछा गया कि उन्हें फंडिंग कौन करता है और खाने की व्यवस्था के लिए पैसा कहां से आता है। याचिका में दावा किया गया है कि इसके बाद पुलिस उन्हें देहरादून रोड पर एक सुनसान जगह छोड़कर चली गई।

प्रियंका ने उठाया जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज का मुद्दा कहा- पीएम मोदी कैमरे का नहीं, दिल का एंगल बदले

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में परीक्षा संबंधी संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान शिक्षा, छात्र आंदोलनों और सरकारी नीतियों को लेकर तीखी राजनीतिक बहस देखने को मिली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने छात्र प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई, परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कई फैसलों पर जवाबदेही की मांग करते हुए



युवाओं का भरोसा बहाल करने की आवश्यकता बताई। लोकसभा में मंगलवार को पब्लिक एजामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन

विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। संसद में प्रियंका गांधी ने कहा कि बच्चों पर लाठियों से किसके आदेश पर चलाए गए, यह सवाल पूरा देश पूछ रहा है, अध्यापक, छात्र, माता-पिता पूछ रहे हैं सिर्फ कांग्रेस नहीं पूछ रही है। ये सदन सांसदों की जागरूकता नहीं है। मंगलवार को संसद में प्रियंका गांधी ने अपने संबोधन की शुरुआत एक घटना से की।

जब मैं एक घायल छात्रा से मिलने गए, तो उसकी मां बोली- सुबह से बड़े-बड़े नेता आए। वह भी आए जिनकी वजह से बेटी का यह हाल हुआ। मैं सरकार से पूछना चाहती हूं- क्या जरूरत थी, बच्ची पर ज्यादाती करने की। देश के युवाओं पर पैलेट गन चलवाने की क्या जरूरत थी। प्रियंका गांधी वाड़ा ने छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की गई पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए।

जापान में 6.8 तीव्रता का भूकंप:शॉपिंग मॉल गिरा, 50 से ज्यादा लोग फंसे

1.5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया

टोक्यो, एजेंसी। जापान के दक्षिणी कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को 6.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। तेज झटकों के बाद काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई, जिससे 50 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक कई लोग घायल हुए हैं। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार



शाम 4:27 बजे आया। इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन करीब एक घंटे बाद इसे वापस ले लिया गया। भूकंप के बाद प्रशासन ने

एहतियात के तौर पर क्यूशू द्वीप के 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में जाने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय प्रसारक हाथ की तस्वीरों में कई सड़कों और पुलों में दरारें, इमारतों में आग और अन्य नुकसान दिखाई दे रहे हैं। सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है, जबकि प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

मंदसौर की बस कश्मीर में 50-फीट गहरी खाई में गिरी

एमपी-राजस्थान के 40 श्रद्धालु सवार थे

» अमरनाथ दर्शन के बाद वैष्णो देवी के लिए निकले थे

मंदसौर, एजेंसी। जम्मू-

कश्मीर के बालटाल से श्रीनगर जा रही मंदसौर की बस मंगलवार को करीब 50 फीट गहरी खाई में गिर गई। बस में सवार करीब 40 श्रद्धालु सवार थे, जो अमरनाथ यात्रा से लौट रहे थे। बस में करीब



40 श्रद्धालु सवार थे, जिनमें मध्यप्रदेश और राजस्थान के यात्री शामिल हैं। हादसे में सभी यात्री घायल हैं, जबकि दो को गंभीर चोटें आई हैं। ये हादसा सुबह

करीब 7 बजे गांदरबल जिले के रंगा मोड़ के पास हुआ। स्थानीय लोगों और राहत-बचाव दल ने सभी यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को पहले उप जिला अस्पताल कंगन ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को सौरा, श्रीनगर रेफर किया गया। जानकारी के मुताबिक ज्यादातर यात्रियों को मल्टीपल इंजरी और हेड ट्रॉमा है। फिलहाल सभी घायलों की हालत स्थिर बताई गई है और उनका उपचार जारी है।

देश में 576 अरबपति, 5 साल में चार गुना बढ़े

सरकार को नहीं पता अरबपतियों के पास कितनी संपत्ति, दावा- बेरोजगारी और गरीबी घटी



दौसा से कांग्रेस सांसद मुरारीलाल मीणा के सवाल के जवाब में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया कि आयकर एक्ट में

अरबपति शब्द की कोई वैधानिक परिभाषा नहीं है। लेकिन आयकर विवरण (ITR) में सालाना 100 करोड़ या इससे ज्यादा की आय दिखाने वालों का ब्योरा दिया है। सरकार के पास अरबपतियों की कुल संपत्ति का ब्योरा नहीं है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि सरकार के पास कर्दादातों की

घरेलू खर्च में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का अंतर कम... जवाब के अनुसार, घरेलू खर्च में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों का अंतर कम हो रहा है। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गिनी गुणांक (लोगों के बीच आय या धन की असमानता) 0.237 और शहरी क्षेत्रों के लिए 0.284 दर्ज किया गया है। यह 2022-23 के आंकड़ों से कम है, जो यह दिखाता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच का अंतर कम हो रहा है।

कुल संपत्ति का कोई आधिकारिक या संकलित डेटा नहीं है। इसका कारण यह है कि संपत्ति कर

अधिनियम, 1957 को एक अप्रैल 2016 से खत्म कर दिया गया।

एडीआर रिपोर्ट: पंजाब सीएम की संपत्ति सैनी-सुक्खू से भी कम

सालाना इनकम इनसे ज्यादा; कर्नाटक मुख्यमंत्री सबसे अमीर, उमर अब्दुल्ला सबसे कम प्रॉपर्टी वाले सीएम

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान देश के सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्रियों की सूची में 5वें स्थान पर हैं। उनकी कुल संपत्ति 1.97 करोड़ रुपए है। पड़ोसी राज्य हरियाणा के मुख्यमंत्री नाथन सिंह सैनी की संपत्ति 5.80 करोड़ रुपए है, जो मान से करीब 3 गुना अधिक है।

वहीं, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू 7.81 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ इन दोनों से



आगे हैं। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्मस (ADR) और नेशनल इलेक्शन वॉच की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। यह रिपोर्ट मुख्यमंत्रियों की ओर से

चुनावी शपथ पत्रों में दी गई जानकारी पर आधारित है। इसमें देश के 31 मुख्यमंत्रियों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार देश में सबसे अमीर ज्यादा संपत्ति वाले सीएम हैं। उनकी कुल संपत्ति 1,413 करोड़ करोड़ रुपए है। जबकि, सबसे कम संपत्ति जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला की है। उन्होंने 55 लाख रुपए की संपत्ति घोषित की है।

वार्षिक आय में मान दोनों पड़ोसी राज्यों के सीएम से आगे... DR रिपोर्ट के अनुसार, भगवंत मान अपने पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कम संपत्ति रखते हैं, लेकिन उनकी सालाना कमाई दोनों मुख्यमंत्रियों से ज्यादा है। उन्होंने अपने पेशे में केवल राजनीति का उल्लेख किया है। इससे उनकी वार्षिक आय 18.34 लाख रुपए है।

हिमाचल के चंबा में अचानक बाढ़ से पत्थरों का सैलाब

मलबा घरों में घुसा, चारधाम यात्रा स्थगित; दिल्ली में बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई राज्यों में भारी बारिश आफत बन गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में सोमवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद सरोल मोहल्ले समेत कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। पानी के साथ आए पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों और दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया।

उत्तराखंड में मंगलवार सुबह चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड हुई। रुद्रप्रयाग के कुंड-काकड़ के बीच केदारनाथ नेशनल हाईवे मलबा आने से बंद हो गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे भी बंद है, जिसके चलते चारधाम यात्रा दो दिन रोक दी गई है। दिल्ली में मंगलवार सुबह जोरदार बारिश हुई। इससे जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया। चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी (P.U) में मंगलवार सुबह PhD स्कॉलर युवती की कट लगने से मौत हो गई। वह ग्लैस हॉस्टल से अपने विभाग में पहुंची के लिए जा रही थी। उधर, मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में रविवार शाम बिजली गिरने से 11 साल के



बंगाल से उत्तराखंड तक बाढ़ आए, एक हफ्ते बारिश का अलर्ट... मौसम विभाग की तरफ से जारी नई सैटेलाइट इमेज में पश्चिम बंगाल से उत्तराखंड तक 1500km एरिया में बाढ़ आए हुए हैं। इसकी वजह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना डीप डिप्रेशन है।

बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। डीप डिप्रेशन समुद्र के ऊपर बनने वाला कम दबाव का एक स्ट्रॉन मौसम सिस्टम होता है। इसमें हवा की रफ्तार सामान्य डिप्रेशन से ज्यादा होती है। इससे भारी बारिश होती है।

बेंगलुरु में शर्मनाक हरकत, कैब का इंतजार कर रही महिला से स्कूटी सवार ने पूछा- तुम्हारा रेट क्या है

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के राममूर्ति नगर में कैब का इंतजार कर रही एक महिला से यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि एक स्कूटर सवार व्यक्ति ने उसके पास आकर अभद्र टिप्पणी की और उसका रेट पूछा। महिला द्वारा घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाने और पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाने के बाद बेंगलुरु पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित महिला ने बताया कि जब वह अपनी कैब की प्रतीक्षा कर रही थी, तभी एक व्यक्ति स्कूटर से उसके पास आया और पूछा, 'तुम्हारा क्या रेट है?' महिला के अनुसार, इस सवाल के साथ ही उसने बेहद आपत्तिजनक और डराने वाली बातें भी कीं। सोशल मीडिया पर अपना दर्द साझा करते हुए महिला ने



लिखा कि एक महिला के तौर पर मुझे किसी वस्तु की तरह देखे जाने या पैसों की पेशकश झेलने के बिना सुरक्षित रूप से कैब का इंतजार करने का अधिकार होना चाहिए। उसके शब्द बेहद अपमानजनक थे और उन्होंने मुझे अपनी सुरक्षा के प्रति भयभीत कर दिया।

वीडियो बनाते ही गाली-गलौज

कर भागा आरोपी: महिला ने बताया कि जब उसने अपने मोबाइल फोन से घटना को रिकॉर्ड करना शुरू किया, तो आरोपी को समझ आ गया कि उसका वीडियो बनाया जा रहा है। इसके बाद अपमानजनक थे और उन्होंने मुझे और तुरंत मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने घटना में इस्तेमाल किए गए

वाहन का नंबर च03 चक्कह190 बताते हुए प्रशासन से आरोपी की पहचान करने और उस पर कड़ी कार्रवाई करने की अपील की है। महिला ने लिखा कि चुप्पी केवल अपराध करने वालों का

हौसला बढ़ाती है। सार्वजनिक स्थान सभी के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक होने चाहिए।

बेंगलुरु पुलिस की कार्रवाई

बेंगलुरु पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस शिकायतकर्ता द्वारा साझा किए गए वीडियो और वाहन के पंजीकरण नंबर की प्रामाणिकता की जांच कर रही है। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में, कर्नाटक के दावणगिरे जिले में पुलिस ने एक 30 वर्षीय गृहिणी को ब्लैकमेल करने और उसका बार-बार यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक स्थानीय जिम मालिक के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता महिला नीटुवल्ली स्थित एक जिम में पिछले डेढ़ साल से जा रही थी। महिला का आरोप था कि जिम मालिक-सह-ट्रेनर ने चैंजिंग रूम में बिना सहमति के उसकी गुप्त तस्वीरें और नग्न वीडियो बना लिए थे। आरोपी पिछले तीन-चार महीनों से इन रिकॉर्डिंग्स के जरिए महिला को सोशल मीडिया पर वीडियो लीक करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा था और अनुचित मांगें रख रहा था। सामाजिक बदनामी के डर से पीड़िता शुरुआत में चुप रही, लेकिन बाद में उसने पुलिस में मामला दर्ज कराया।

गुरुग्राम के सेक्टर 80-95 तक जलभराव से मिलेगी राहत, मास्टर स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज नेटवर्क अंतिम चरण में

गुरुग्राम, एजेंसी। नए गुरुग्राम के सेक्टर 80 से 95 तक के बाशियों को आने वाले समय में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) द्वारा इस क्षेत्र में मास्टर स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज नेटवर्क का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच चुका है। परियोजना पूरी होने के बाद इस नेटवर्क को गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) को सौंप दिया जाएगा। इसके बाद पूरे क्षेत्र का वर्षा जल लेग-चार मास्टर कैरियर ड्रेन के माध्यम से निकास हो जा सकेगा। बता दें कि वाटिका चौक से दिल्ली-जयपुर हाईवे तक जीएमडीए द्वारा नई लेग चार ड्रेन तैयार की जा चुकी है। अधिकारियों के अनुसार सेक्टर 81 से 87 तक का स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज नेटवर्क तैयार हो चुका है



और इसे पहले ही जीएमडीए को सौंपा जा चुका है। वहीं सेक्टर 88 से 95 तक ड्रेनेज नेटवर्क का निर्माण अंतिम चरण में है। निर्माण पूरा होने के बाद इस हिस्से का भी संचालन और रखरखाव जीएमडीए के जिम्मे होगा, जिससे पूरे क्षेत्र में सेंट्रलाइज्ड ड्रेनेज व्यवस्था लागू की जा सकेगी।

फिलहाल ग्रीन बेल्टों में हो रही निकासी: जब तक पूरा नेटवर्क तैयार नहीं हो जाता, तब तक सेक्टर 83 से 95 तक का

वर्षा जल अस्थायी व्यवस्था के तहत चिह्नित ग्रीन बेल्ट क्षेत्रों की ओर मोड़ा जा रहा है। इससे वर्षा के दौरान पानी की निकासी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, हालांकि वह स्थायी समाधान नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि मास्टर नेटवर्क चालू होने के बाद इस अस्थायी व्यवस्था की जरूरत समाप्त हो जाएगी। परियोजना पूरी होने के बाद सेक्टर 80 से 95 तक का पूरा स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज नेटवर्क

सिधे लेग-4 मास्टर कैरियर ड्रेन से जुड़ जाएगा। इससे वर्षा का पानी तेजी से मुख्य ड्रेन तक पहुंचेगा और सड़कों, सर्विस लेन तथा रिहायशी इलाकों में जलभराव की समस्या काफी हद तक कम होगी। साथ ही जल निकासी की क्षमता बढ़ने से यातायात भी मानसून के दौरान अधिक सुचारु रहेगा।

जलभराव से मिलेगी राहत: जीएमडीए के एक्सईएन विक्रम सिंह ने बताया कि जीएमडीए और एचएसवीपी का लक्ष्य नए गुरुग्राम में ड्रेनेज नेटवर्क को पूरी तरह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है, हालांकि वह स्थायी समाधान नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि मास्टर नेटवर्क चालू होने के बाद इस अस्थायी व्यवस्था की जरूरत समाप्त हो जाएगी। परियोजना पूरी होने के बाद सेक्टर 80 से 95 तक का पूरा स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज नेटवर्क

टोरंटो में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पर फायरिंग, चार महीने में दूसरी बार चली गोलियां; जांच तेज

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो शहर स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पर सोमवार सुबह एक बार फिर फायरिंग की गई। यह इस वर्ष दूतावास पर गोलीबारी की दूसरी घटना है। घटना के बाद पुलिस ने तेज रफ्तार से भाग रही एक सफेद कार का पीछा किया, लेकिन सुरक्षा कार्यों से पीछा बीच में ही रोक दिया गया।

पुलिस ने घटना के बारे में क्या बताया: सीबीसी-न्यूज के अनुसार, दूतावास के पास नियमित गश्त पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने सुबह करीब 4:45 बजे गोली चलने की आवाज सुनी। इसके तुरंत बाद उसने बिना नंबर प्लेट वाली सफेद होडा अकाई कार को तेज रफ्तार से मौके से भागते हुए देखा। पुलिस ने डॉन वैली पार्कवे तक कार का पीछा किया, लेकिन वाहन की रफ्तार 140



किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक होने के कारण पीछा रोक दिया गया।

घटनास्थल से क्या मिला: टोरंटो पुलिस के डिटी चीफ फ्रैंक बैरेडो ने इस घटना को बेहद दुस्साहसी और निंदनीय बताया। पुलिस ने दूतावास के पास से एक खोखा बरामद किया है और इलाक़ के बाहरी हिस्से पर क्षति भी पाई गई है। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस अभी हमले के मकसद और कार में सवार लोगों की संख्या का पता लगाने में जुटी है। टोरंटो पुलिस ने बताया कि फिलहाल वह हवाई

सहायता के लिए अन्य एजेंसियों के हेलीकॉप्टरों पर निर्भर है और इस वर्ष के अंत तक विभाग को अपना विमान मिलने की उम्मीद है।

मेयर और सुरक्षा एजेंसियों ने क्या कहा: टोरंटो की मेयर ओलिविया चाउ ने कहा कि उन्होंने कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसंगरी से शहर में अवैध हथियारों और गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के उपायों पर चर्चा की है। उन्होंने इस हमले को दुस्साहसी हमला बताया और कहा कि जिम्मेदार लोगों को पकड़ा जाएगा। वहीं, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि वह टोरंटो पुलिस और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मामले की जांच कर रही है। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि कनाडा में किसी भी व्यक्ति के खिलाफ हिंसा और धमकियों को बेहद गंभीरता से लिया जाता है।

अंतरिक्ष में इतिहास रचेंगे भारतीय मूल के अनिल मेनन: अगले हफ्ते करेंगे अपना पहला स्पेसवॉक; करेंगे ये काम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारतीय मूल के नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अगले हफ्ते अपने करियर की पहली स्पेसवॉक (अंतरिक्ष में चहलकदमी) करेंगे। वह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से बाहर निकलकर सोलर एरे को अपग्रेड करेंगे और कथुनिकेशन एंटीना बदलेंगे। नासा ने सोमवार को यह जानकारी दी। केरल के पलक्कड़ से ताल्लुक रखने वाले अनिल मेनन अपने साथी अंतरिक्ष यात्री जेसिका मीर के साथ 6 अगस्त से स्पेसवॉक की शुरुआत करेंगे। वे भविष्य में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन रोल-आउट सोलर एरे (आईरोसा) की स्थापना के लिए ऑर्बिटल लैंच को तैयार करेंगे। आईरोसा स्टेशन के सुरक्षित और नियंत्रित डिऑर्बिट समेत महत्वपूर्ण कार्यों के लिए अतिरिक्त बिजली प्रदान



करेगा। स्पेसवॉक 6 अगस्त, 13 अगस्त और 25 अगस्त को तय किए गए हैं।

दूसरी स्पेसवॉक में कौन-सा अहम मिशन पूरा करेंगे: 13 अगस्त को होने वाले दूसरे स्पेसवॉक के दौरान अंतरिक्ष यात्री स्पेस-टू-ग्राउंड एंटीना बदलेंगे। यह महत्वपूर्ण संचार प्रणाली है, जिसका उपयोग नासा के ह्यूस्टन स्थित मिशन कंट्रोल सेंटर और स्पेस स्टेशन के बीच डेटा तथा हाई-स्पीड संचार भेजने के लिए किया जाता है।

25 अगस्त की स्पेसवॉक में क्या-क्या होगा: 25 अगस्त को होने वाले स्पेसवॉक में कू मेंबर पावर चैनल केबल और डेटा रिले सिस्टम जोड़ेंगे। इसके अलावा हार्मनी मॉड्यूल के फॉरवर्ड पोर्ट पर अंतरिक्ष यान की डॉकिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले नेविगेशन एंड को भी बदला जाएगा।

अंतरिक्ष से स्टारबेस की तस्वीर क्यों हुई चर्चा में: अनिल मेनन ने पिछले सप्ताह अंतरिक्ष से स्पेसएक्स के साउथ टेक्सास स्थित लॉन्च साइट स्टारबेस की तस्वीर साझा की थी। मेनन ने सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान के जरिए 14 जुलाई को स्पेस स्टेशन की यात्रा पूरी की थी। वह कक्षा में लगभग आठ महीने बिताएंगे और इस दौरान वैज्ञानिक प्रयोगों तथा तकनीकी प्रदर्शनों में हिस्सा लेंगे।

इराक पर ड्रोन से ताबड़तोड़ हमले, ईरान की कार्रवाई के बाद इरबिल में कई धमाके सुने गए

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अगर रूस ने अमेरिका के खिलाफ जारी संघर्ष में ईरान की किसी भी तरह मदद की है, तो उसका कोई खास असर नहीं पड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से इस बारे में पूछेंगे। यह बयान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के हालिया आरोपों के बाद आया है। जेलेंस्की ने आरोप लगाया था कि रूस अमेरिका के सैन्य ठिकानों और खाड़ी देशों के ठिकानों पर हमले करने के लिए ईरान को उपग्रह से जुड़ी खुफिया जानकारी दे रहा है। जेलेंस्की ने यह भी बताया था कि रूस अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के लिए उत्तर कोरिया से 30 हजार सैनिक लेने की तैयारी कर रहा है। एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान को बहुत नुकसान पहुंचाया है और संघर्ष में अपनी ताकत दिखाई है। उन्होंने कहा कि अगर रूस ईरान की मदद कर भी रहा है, तब भी ईरान कमजोर हो रहा है।

ट्रंप ने कहा, हम पता लगाएंगे कि यह सच है या नहीं। मैं इस बारे में पुतिन से



पूछूंगा। हम पता लगाएंगे। उन्होंने कहा, इसका ज्यादा असर नहीं पड़ा, क्योंकि हमने ईरान को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हो सकता है कि वे मदद कर रहे हों, लेकिन अगर ऐसा है तो भी यह काम नहीं आया, क्योंकि उनके पास न सेना है, न वायुसेना है, न नौसेना है और उनके पास कुछ भी नहीं है।

हूती और सऊदी अरब के बीच संघर्ष में अमेरिका अभी शामिल नहीं: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच जारी संघर्ष को लेकर अमेरिका की स्थिति साफ की। उन्होंने

कहा कि अभी अमेरिका इस मामले में शामिल नहीं है, लेकिन अगर कोई समस्या होती है तो भविष्य में दखल दिया जा सकता है। एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। स्थानीय मीडिया ने हद्दीथा बांध के पास अमेरिकी ड्रोन के गिरने की तस्वीरें भी प्रकाशित कीं। इन हमलों के साथ इराक के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में सैन्य गतिविधियां भी तेज हो गईं। आईआरआईबी के अनुसार, सुलेमानिया में स्थित खोर मोर गैस क्षेत्र पर भी हमला किया गया।हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब

उन्होंने कहा, हमने इस बारे में बात नहीं की है। इसके अलावा, ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने इराकी सूत्रों के हवाले से बताया कि अनबार प्रांत में एक अमेरिकी ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। स्थानीय मीडिया ने हद्दीथा बांध के पास अमेरिकी ड्रोन के गिरने की तस्वीरें भी प्रकाशित कीं। इन हमलों के साथ इराक के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में सैन्य गतिविधियां भी तेज हो गईं। आईआरआईबी के अनुसार, सुलेमानिया में स्थित खोर मोर गैस क्षेत्र पर भी हमला किया गया।हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब

डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी मामले में सुप्रीम कोर्ट का सख्त फैसला, अब आसानी से नहीं मिलेगी जमानत, माना जाएगा डाकू और लुटेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में डिजिटल अरेस्ट (ऑनलाइन उष्ी) के बढ़ते मामलों के बीच अब सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला सामने आया है। कोर्ट ने इस मामले में अपना रुख साफ कर दिया है कि डिजिटल अरेस्ट घोटालों में शामिल किसी भी आरोपी को आसानी से जमानत नहीं दी जाएगी। कोर्ट ने निचली अदालतों और हाईकोर्ट्स को निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों में केवल असाधारण कारणों पर ही जमानत पर विचार किया जाए, वरना राहत न दी जाए। मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के मामलों में सख्त से सख्त संगठित अपराध के कानून लगाने चाहिए। इन मामलों को आम धोखाधड़ी नहीं, बल्कि लूट और डकैती के बराबर माना जाना चाहिए।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए बड़ा खतरा: इसके अलावा अदालत ने चिंता जताई कि डिजिटल अरेस्ट आज के समय में लोगों, खासकर बुजुर्गों के खिलाफ किया जाने वाला सबसे खतरनाक अपराध है। इसमें ठग बुजुर्गों की जिंदगीभर की जमापूजी और मेहनत की कमाई को तब ठग लेते हैं, जब उन्हें पैसों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

सहयोगी भी मुख्य आरोपी जैसे: बता दें कि सुनवाई के दौरान एक आरोपी ने दलील दी कि उसने मुख्य आरोपी को सिर्फ बैंक खाता खुलवाने में मदद की थी और वह एक साल से जेल में है। इस पर बेंच ने दो टुक कहा कि ऐसा व्यक्ति भी इस गंभीर अपराध में सीधा सहयोगी माना जाएगा। गौरतलब है कि जांच एजेंसियों के मुताबिक, अब तक देश में डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के जरिए लोगों से करीब 3000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की जा चुकी है। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने इसका संज्ञान लेते हुए सीबीआई को पूरे देश में इन मामलों की जांच सौंपने के निर्देश दिए थे।

कलेक्टर ने शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली का किया निरीक्षण

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनुकूल शैक्षणिक वातावरण विकसित करने, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर दिया जोर



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने मंगलवार को शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, मझौली का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उपलब्ध संसाधनों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय और अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया कलेक्टर ने अधिकारियों एवं प्राध्यापकों को निर्देश दिए कि

शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों का अधिकतम और प्रभावी उपयोग विद्यार्थियों के हित में सुनिश्चित किया जाए कलेक्टर ने कहा कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा देने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें रोजगारोन्मुखी, गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों के सामने प्रतियोगी परीक्षाओं और



रोजगार के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती है ऐसे में महाविद्यालयों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। **प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बने सकारात्मक माहौल:** निरीक्षण के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने प्राध्यापकों के साथ विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय में सकारात्मक, अनुशासित और प्रेरणादायक

शैक्षणिक वातावरण विकसित किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि ग्रामीण और अंचल के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अनेक विद्यार्थी सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से आगे बढ़ने की क्षमता रखते हैं। आवश्यकता केवल उन्हें उचित दिशा, नियमित मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की है कलेक्टर ने प्राध्यापकों से कहा कि वे विद्यार्थियों की रुचि,

क्षमता और लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें मार्गदर्शन दें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया जाए तथा उपलब्ध पुस्तकालय एवं अन्य शैक्षणिक संसाधनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में ऐसा वातावरण तैयार किया जाना चाहिए, जहां विद्यार्थी अपनी नियमित स्नातक शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी प्रभावी ढंग से कर सकें। विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के साथ समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन और लक्ष्य निर्धारण के लिए भी मार्गदर्शन देने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन कई बार उचित मार्गदर्शन और संसाधनों के अभाव में उन्हें अपेक्षित अवसर

नहीं मिल पाते। ऐसे विद्यार्थियों को महाविद्यालय स्तर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी क्षमता को निखारा जा सकता है उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थियों को समय पर सही दिशा और पर्याप्त शैक्षणिक सहयोग मिले तो वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर अपने परिवार, क्षेत्र और जिले का नाम रोशन कर सकते हैं उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित रूप से अध्ययन करने और निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया कलेक्टर ने प्राध्यापकों से अपेक्षा की कि वे विद्यार्थियों के साथ संवाद बढ़ाएं और उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझकर उनका समाधान करने का प्रयास करें विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में भी कार्य करने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में

31 जुलाई तक सीएलसी चरण में मिलेगा प्रवेश, 871 सीटें अभी भी रिक्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। 28 जुलाई 2026। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है महाविद्यालय के विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अभी भी 871 सीटें रिक्त हैं इच्छुक विद्यार्थी कॉलेज लेवल काउंसिलिंग (सीएलसी) चरण के माध्यम से 31 जुलाई तक प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि 28 जुलाई तक बीए में 19, बीएससी में 4, बीकॉम में 19 और बीकॉम (फिटेल् ऑपरेशन्स) में 45 सीटें रिक्त हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में एमए प्रथम वर्ष की 265, एमए द्वितीय वर्ष की 244, एमकॉम प्रथम वर्ष की 20, एमकॉम द्वितीय वर्ष की 60, एमएससी प्रथम वर्ष की 85 और एमएससी द्वितीय वर्ष की 99 सीटें खाली हैं। इसके अलावा पीजीडीसीए में 11 सीटों पर प्रवेश

लिया जा सकता है। **पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ा प्रवेश:** प्राचार्य के अनुसार इस वर्ष महाविद्यालय में पिछले वर्षों की तुलना में विद्यार्थियों ने अधिक संख्या में प्रवेश लिया है अब तक स्नातक स्तर पर 2,461 विद्यार्थियों का प्रवेश हो चुका है जबकि स्नातकोत्तर स्तर पर 887 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है प्रवेश संख्या में हुई वृद्धि को महाविद्यालय के प्रति विद्यार्थियों के बढ़ते विश्वास और आकर्षण से जोड़कर देखा जा रहा है वर्तमान में महाविद्यालय में कॉलेज लेवल काउंसिलिंग के तहत प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जा रही है इच्छुक विद्यार्थी प्रतिदिन चाँदिस फिलिंग कर सकते हैं और उसी दिन शाम 5 बजे तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। यह प्रक्रिया 31 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी महाविद्यालय प्रबंधन ने इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए समय रहते चाँदिस फिलिंग और प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करें।

स्नातक का रिजल्ट नहीं आने से छात्रों के आगे के प्रवेश में बड़ी बाधा छात्र संगठन ने विश्वविद्यालयों और सरकार से जल्द परिणाम जारी करने की मांग की, कहा- करियर प्रभावित होने का खतरा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के बीच स्नातक पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम जारी नहीं होने से विद्यार्थियों के सामने आगे की पढ़ाई में प्रवेश का संकट खड़ा हो गया है छात्र संगठन स्टूडेंट एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन के संयोजक इंद्रलाल पटेल ने संबंधित विश्वविद्यालयों एवं सरकार से स्नातक कक्षाओं के लंबित परिणाम जल्द जारी करने की मांग की है इंद्रलाल पटेल ने कहा कि देश के कई विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। कई विद्यार्थी प्रवेश परीक्षाएं ली उत्तीर्ण कर चुके हैं लेकिन स्नातक का अंतिम वर्ष का परिणाम जारी नहीं होने के कारण वे निर्धारित समय पर



प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे हैं इससे विद्यार्थियों के सामने आगे की पढ़ाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय, बीएचयू, इलाहाबाद विश्वविद्यालय सहित कई उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में स्नातक के अंतिम वर्ष का परिणाम समय पर जारी नहीं होने से उन विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिन्होंने प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल की है और

अब आगे की प्रक्रिया पूरी करना चाहते हैं छात्र संगठन का कहना है कि विश्वविद्यालयों को परीक्षा मूल्यांकन और परिणाम जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को दूसरे संस्थानों में प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध हो सकें परिणाम में देरी के कारण विद्यार्थियों का शैक्षणिक सत्र प्रभावित होने की आशंका भी बनी हुई है इंद्रलाल पटेल ने सरकार और संबंधित शैक्षणिक संस्थानों से मांग की है कि स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाओं एवं परिणामों को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत से प्रवेश परीक्षाएं उत्तीर्ण की हैं, इसलिए परिणाम में देरी के कारण उनका भविष्य और करियर प्रभावित नहीं होना चाहिए छात्रों को समय पर आगे की पढ़ाई में प्रवेश का अवसर मिलना जरूरी है।

रीवा रियासत का 150 साल पुराना शिकारगाह जर्जर, संरक्षण की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा और सीधी जिले की सीमा पर छुहिया घाटी में स्थित रीवा रियासत का करीब 150 वर्ष पुराना ऐतिहासिक शिकारगाह रखरखाव के अभाव में जर्जर होता जा रहा है भवन की दीवारों और अंदरूनी हिस्सों में टूट-फूट के निशान दिखाई दे रहे हैं स्थानीय लोगों और इतिहास प्रेमियों ने प्रशासन से इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण की मांग की है जानकारों के अनुसार पहाड़ी की ऊंचाई पर बने इस भवन का निर्माण रीवा रियासत के शासनकाल में कराया गया था। ऐतिहासिक अभिलेखों के मुताबिक निर्माण कार्य महाराज व्यंकट रमण सिंह जूदेव के समय शुरू हुआ और बाद में महाराजा गुलाब सिंह जूदेव के शासनकाल में इसका विस्तार किया गया राजसी

दौर में इस भवन का उपयोग शिकार, विश्राम और आसपास के वन क्षेत्र की निगरानी के लिए किया जाता था ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां से छुहिया घाटी, जंगल और आसपास का विस्तृत क्षेत्र दिखाई देता है। पत्थरों से बनी मूल संरचना आज भी इसकी पुरानी वास्तुकला की झलक देती है लेकिन कई हिस्सों में क्षति के निशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भवन को संरक्षित कर क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है सीधी वन मंडल की डीएफओ प्रीती अहिरवार के अनुसार यह रीवा-सीधी सीमा पर स्थित करीब 150 वर्ष पुराना भवन है वन विभाग इसकी लगातार निगरानी कर रहा है ताकि ऐतिहासिक धरोहर को नुकसान न पहुंचे और इसकी पहचान सुरक्षित बनी रहे।



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के ग्राम चौनहा में करीब आठ दिनों से बाधित बिजली आपूर्ति मंगलवार सुबह बहाल हो गई गांव में जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाए जाने के बाद 100 से अधिक ग्रामीणों को राहत मिली लंबे समय से बिजली बंद होने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था ग्रामीणों के अनुसार गांव में लगा ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई थी समस्या के समाधान के लिए बिजली विभाग के

अधिकारियों को कई बार सूचना और शिकायत दी गई लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि समय पर ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। लगातार आठ दिनों तक बिजली नहीं आने से गांव में लोगों के दैनिक कामकाज प्रभावित रहे और ग्रामीणों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती गई।

विधायक से लगाई गुहार: स्थानीय निवासी अंकुश पांडे ने बताया कि जब बिजली विभाग से शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीणों ने चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल से संपर्क किया ग्रामीणों ने विधायक को गांव की

स्थिति से अवगत कराते हुए जल्द बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की ग्रामीणों का कहना है कि बिजली लंबे समय तक बंद रहने से घरेलू कार्यों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरी गतिविधियां भी प्रभावित हो रही थीं ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधि से हस्तक्षेप की मांग करते हुए खराब ट्रांसफार्मर को जल्द बदलवाने की अपील की थी विधायक अजय सिंह राहुल ने शिकायत मिलने के बाद बिजली विभाग के अधिकारियों से तत्काल बातचीत की और ट्रांसफार्मर बदलने के निर्देश दिए इसके बाद विभागीय अमला सक्रिय हुआ और मंगलवार सुबह करीब 9 बजे नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया नया ट्रांसफार्मर लगने के बाद गांव में बिजली आपूर्ति शुरू हो गई आठ दिन से बिजली संकट शेल रहे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली बिजली बहाल होने के बाद गांव में सामान्य स्थिति लौटने लगी।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने सांदीपनि विद्यालय ताला का किया निरीक्षण

विद्यार्थियों से संवाद कर पढ़ाई और सुविधाओं की ली जानकारी, शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार के निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने मंगलवार को सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ताला का निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं व्यवस्थागत गतिविधियों का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान

उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर शिक्षण कार्य का अवलोकन किया और विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई, विषयगत समझ, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं तथा शिक्षण व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की कलेक्टर ने

विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे और उनकी शैक्षणिक तैयारी को परखा उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासित दिनचर्या और स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया कलेक्टर ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विद्यार्थियों के उच्चल भविष्य की आधारशिला है प्रत्येक विद्यार्थी अपनी क्षमता के अनुरूप बेहतर प्रदर्शन कर सकता है बशर्ते वह नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास और मेहनत को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए।

विशेष ध्यान देने के निर्देश: विद्यालय के शिक्षकों के साथ चर्चा करते हुए कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने और समझने की क्षमता अलग-अलग होती है इसलिए शिक्षण पद्धति को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रभावी और रूचिकर बनाया जाना चाहिए उन्होंने कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उन पर विशेष ध्यान देने, नियमित मूल्यांकन करने तथा आवश्यकतानुसार विषयवार अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए।

मझौली में कलेक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं, 235 आवेदनों पर हुई सुनवाई

उपखंड स्तर पर जनसुनवाई को मिला नया आयाम, अधिकारियों को त्वरित और समयबद्ध निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में जनसुनवाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी, परिणाममुखी और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में नई पहल शुरू की गई है। इसी क्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा ने मंगलवार को जनपद पंचायत मझौली के प्रज्ञा भवन में आयोजित उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में स्वयं उपस्थित होकर आमजन की समस्याएं सुनीं जनसुनवाई में कुल 235 आवेदन प्राप्त हुए कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश



दिए कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर उसका परीक्षण किया जाए। सभी प्रकरणों का निर्धारित समय-

सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए साथ ही आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए ताकि उन्हें अपनी शिकायत के संबंध में अनावश्यक रूप से कार्यालयों

के चक्कर न लगाने पड़ें कलेक्टर ने बताया कि जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अब प्रत्येक मंगलवार जिला मुख्यालय के साथ-साथ जिले के सभी उपखंड मुख्यालयों पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई में वे क्रमबद्ध रूप से किसी एक उपखंड में स्वयं उपस्थित होंगे। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को स्थानीय स्तर पर ही अपनी समस्याएं सीधे कलेक्टर के समक्ष रखने का अवसर प्रदान करना है उन्होंने कहा कि उपखंड स्तर पर कलेक्टर की मौजूदगी से

नागरिकों को अपनी शिकायत लेकर जिला मुख्यालय तक आने की आवश्यकता कम होगी इससे आमजन के समय, श्रम और धन की बचत होगी तथा स्थानीय स्तर पर ही समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान की प्रक्रिया मजबूत होगी। कटर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का केवल औपचारिक निराकरण न करते हुए उनकी वास्तविक स्थिति का परीक्षण किया जाए और जरूरतमंद लोगों को

नियमानुसार राहत उपलब्ध कराई जाए उन्होंने कहा कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना है। अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए समन्वयपूर्वक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान उपखंड अधिकारी मझौली आर.पी. त्रिपाठी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सुरभि श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महुगढ़ के मंदिर में 24 घंटे डटा रहा 7 फीट लंबा रेड स्नेक, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के महुगढ़ गांव स्थित एक मंदिर में करीब 7 फीट लंबा रेड स्नेक मिलने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई सांप को करीब 24 घंटे तक मंदिर परिसर में मौजूद रहा जिसके कारण पूजा-अर्चना भी प्रभावित हुई। मंगलवार को वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद सांप को छोड़ दिया जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 10 बजे मंदिर के पुजारी वीरभान मिश्रा पूजा करने पहुंचे थे इसी दौरान उन्होंने भगवान शंकर की मूर्ति के पास सांप को देखा आइट मिलते ही सांप हनुमान जी की मूर्ति के पीछे छिप गया सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर पहुंचे, लेकिन प्रयास के बावजूद सांप बाहर नहीं निकला मंगलवार सुबह

वन विभाग के कंट्रोल रूम को सूचना दी गई वनपाल पंकज मिश्रा टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया सांप को पकड़ने के दौरान उसने अपनी पूंछ से वनपाल के पैर को कसकर जकड़ लिया कुछ देर की मशक्कत के बाद उन्होंने खुद को छुड़ाया और सांप को सुरक्षित पकड़ लिया वनपाल पंकज मिश्रा के अनुसार रेड स्नेक अत्यधिक विषैला नहीं होता, हालांकि खतरा महसूस होने पर यह हमला कर सकता है यह चूहों और छोटे जीवों का शिकार करता है जिससे फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले जीवों की संख्या नियंत्रित रहती है वन विभाग ने तंत्रों से अपील की कि सांप दिखाई देने पर उसे नुकसान न पहुंचाएं और तत्काल वन विभाग को सूचना दें।

नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षाओं से जुड़ी अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों ने जो कई सप्ताह लंबा आंदोलन चलाया,उसकी तार्किक परिणति सबके सामने हैं। सरकार को छात्र आंदोलन के सामने झुकना पड़ा। जिसके फलस्वरूप शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। एक बार फिर मोदी सरकार को आंदोलनकारियों के दबाव में फैसला लेना पड़ा। भाजपा के नेता कहते रहे हैं कि इस सरकार में मंत्रियों के इस्तीफे नहीं हुआ करते। युवाओं के इस आंदोलन ने किसान आंदोलन की याद ताजा कर दी, जब सरकार को किसानों के एक साल चले

आंदोलन के बाद तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। वहीं सरकार को उस संकट को स्वीकार करना पड़ा, जो भारतीय शिक्षा व्यवस्था में दशकों से शिकंजा कसे हुआ था। बहरहाल, सड़कों पर उतरे छात्रों के आंदोलन से साफ संदेश सामने आया कि अब भारत के युवा उस सिस्टम से जवाबदेही मांग कर रहे हैं, जो उनके भविष्य का निर्धारण करता है। एक और बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि युवाओं के इस आंदोलन ने देश के समक्ष मौजूदा दो सबसे बड़ी चुनौतियों- शिक्षा और बेरोजगारी को फिर सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। ऐसा नहीं है कि इन मुद्दों पर चर्चा

आंदोलन की कामयाबी

पहले नहीं हुई। लेकिन यह महज नीतियां बनाने और चुनावी भाषणों में चर्चा तक सीमित रह गया था। विडंबना यह है कि देश में एक के बाद एक आई सरकारों ने कभी इस चुनौती का सीधे तौर पर मुकाबला नहीं किया। वहीं इस छात्र आंदोलन ने यह भी

साबित किया है कि हम जिस पीढ़ी को बनाते और चुनावी भाषणों में चर्चा तक अवसर महज 'डिजिटल दुनिया में खोई हुई' पीढ़ी मानते रहे हैं, वह पीढ़ी संस्थागत सुधारों के लिये पूरी चेतना के साथ सामने आ सकती है। निस्संदेह, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद केंद्र को आत्ममंथन करना चाहिए। लेकिन सुधार की उसकी

इच्छा महज मंत्रियों और अधिकारियों को हटाने तक ही सीमित न रहे। ऐसी स्थिति में जब शिक्षा में सीमित सीटों और नौकरियों के लिये लाखों प्रतियोगी कड़ा मुकाबला करते हैं, सरकार सोचे कि प्रवेश परीक्षाओं को कैसे पारदर्शी व फूलपूफ बनाया जाए। इन्हें कितनी जिम्मेदारी के साथ आयोजित किया जाता है, इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। निस्संदेह, परीक्षा में धोखाधड़ी के खिलाफ प्रस्तावित कठोर कानून, फास्ट-ट्रैक कोर्ट और सख्त सजा आवश्यक कदम हो सकते हैं, लेकिन सिर्फ कठोर कानून मात्र से बिगड़ा हुआ ढांचा ठीक नहीं होगा। वास्तव में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और

सार्वजनिक परीक्षाओं के स्वरूप में पारदर्शिता, तकनीकी सुरक्षा और स्वतंत्र निगरानी जरूरी है। संसद में इस सुधारों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष भी समझ ले कि छात्रों के भविष्य को राजनीतिक बाजीगरी का अखाड़ा नहीं हो बनाया जाना चाहिए। भारत आज एक युवा देश है, जिसकी आधी से ज्यादा आबादी तीस साल से कम उम्र वाली है। ऐसे में हमें एक ऐसे शिक्षा तंत्र की जरूरत है, जो युवाओं का भरोसा कायम करे। साथ ही योग्य प्रतिभागियों को न्याय मिले। एक संदेश साफ है कि अब जैन-जी को गंभीरता से लेना होगा।।

साधन पथ प्रदर्शक हैं गुरु, किन्तु साध्य नहीं

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

सदुरु पूजनीय, वंदनीय और पथ प्रदर्शक हैं, वह शिष्य के अज्ञान अंधकार को दूर कर ज्ञान रुपी दीपक जलाने वाला और परमात्म प्राप्ति हेतु साधन का दिग्दर्शन कराने वाला महापुरुष है। वह केवल गुरु ही है, जो अपने शिष्य में पिंड से लेकर ब्रह्मांड तक दर्शन की क्षमता विकसित करता है, गुरु ही अपने शिष्य को कर्म ज्ञान और भक्ति का यथार्थ दर्शन कराता है, जिसके सहारे शिष्य अध्यात्म के उस शिखर पर पहुंच सकता है, जहां जाने के बाद सांसारिक सुख-समृद्धि और वैभव तुच्छ दिखाई देने लगते हैं किंतु वह साध्य नहीं है और न ही ध्येय हो सकता है। ध्येय है, सर्वव्यापी, निर्विकार, निराकार और नियंता, परब्रह्म परमात्मा।

गुरु का महत्व समझाते हुए अक्सर इन पंक्तियों को भी उद्धृत किया जाता है। संत कबीरदास का यह प्रसिद्ध दोहा गुरु की महिमा का बखान करता है-

‘गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पायँ।

बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बतायँ।। ‘

(गुरु और ईश्वर दोनों एक साथ खड़े हों तो पहले किसे प्रणाम करना चाहिए? ऐसे में गुरु के चरण पहले झूने चाहिए क्योंकि गुरु ने ही हमें ईश्वर तक पहुँचने का सही मार्ग और ज्ञान दिया है।)

यह सदुरु की महिमा है किंतु इस उक्ति का अभिप्राय ऐसा नहीं लिया जाना चाहिए कि गुरु ने गोविंद का पथ बतलाया है इसलिए उन्हें ही पकड़ कर बस वहीं ठहर जाना चाहिए बल्कि इसके इस रूप में लिया जाना चाहिए कि हम उस गुरु को पहले वंदन करें जो गोविन्द को बताकर परे हट गए कि देख यह सीधा सरल रास्ता गोविन्द की ओर ही जा रहा है, तू इसे पकड़ ले। तो हम उस गुरु को प्रथम प्रणिपात करें, जिन्होंने गोविन्द को पा लेने का मार्ग बताया और अलग हट गए, कि देख गोविन्द तुझे ऐसे मिलेंगे। सदगुरु कहता है कि अब मेरी आवश्यकता रह ही नहीं जाती है। मेरे द्वारा जो पथ बताया गया है, उस पथ पर ही चलते चलते चले जाना है। सदगुरु कहता है कि अब तू चलता चला जा उस पथ पर, जो मैंने तुझे बताया है। वास्तविकताओं में भी पथ का दिग्दर्शन कराने के बाद पथ प्रर्शक की भूमिका आखि्र क्या रह जाती है? सदगुरु ने हमें जो रास्ता बता दिया उसके अनुसार हम अपनी यात्रा शुरू कर दें, यही उचित है। किंतु यदि हम चले नहीं और उस पथ प्रदर्शक या गुरु के पास रुके रह जाए तो क्या हम अपनी मंजिल पर पहुंच सकेंगे? उत्तर होगा नहीं। इन पंक्तियों का सार तत्व यही है कि हमें अपने गुरु ने जो रास्ता बताया है, उस पर चलना शुरू कर दें तो परमात्मा रूपी मंजिल मिलेगी। यही है गुरु पूजा और दक्षिणा भी यही है कि उनके बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए गुरु आज्ञानुसार परमात्मतत्व कीर्तन, जप, ध्यान और स्मरणरत हो। पथ प्रदर्शक सत्गुरु के बताए अनुसार साधन के माध्यम से ही साध्य परमात्मा को पाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। सारभूत तत्व यही है कि उस गुरु का बड़ा आधार जो कि गोविन्द का पथ बताकर रास्ते से परे हट गए। गुरु मनुष्य की अंधकार से प्रकाश की आध्यात्मिक यात्रा का प्रेरक तत्व हैं। गुरु एक सीढ़ी है, जिसके सहारे ऊपर जाया जा सकता है, किंतु वह मंजिल नहीं है जहां जाकर सब यात्राएं विराम पा लेती है। गुरु तैरना सिखा देता है ताकि दरिया को पार किया जा सके, किंतु यदि कोई व्यक्ति जरूरत के वक्त भी गुरु के उस ज्ञान को अंगीकार नहीं करे तो वह डूबने से आखिर कैसे बचेगा? वस्तुतः गुरु एक सीढ़ी है, सीढ़ी के सहारे ऊपर तो चढ़ा जा सकता है किन्तु उसे ही थामे रखकर वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति नहीं की जा सकती। आचार्य रजनीश कहते हैं, ‘गुरु एक सीढ़ी या निसैनी है, जिसपर चढ़कर ऊपर पहुंच जाओ और उसे गिरा दो किंतु यदि तू उस निसैनी को थाम कर ही बैठे रह गए तो जिस उद्देश्य के लिए निसैनी पर चढ़ कर ऊपर पहुंचे हो तो उसे कभी पूरा नहीं कर पाओगे। ‘यह प्रश्न भी किया जा सकता है कि निसैनी यदि गिरा दोगे तो फिर नीचे कैसे आओगे? कहा जाना चाहिए कि उस अनंत की यात्रा तत्त्व सीपान की यात्रा है, उस परम पुरुष तक पहुंचने की यात्रा जो कि अध्यात्म का चरम लक्ष्य है, हमारे ऋषियों-महर्षियों ने वैदादिकों में इसका गुणगान किया है और महात्मा पुरुषों ने इसकी बहुभूति विवेचना भी की है।

कालिताल मांडेत

सदुरु वही हैं जिन्होंने स्वयं अपने जीवन को ऐहिक इच्छाओं से मुक्त कर लिया हो और जो निरंतर अपने तथा समस्त प्राणियों के कल्याण में रत रहते हों। जो स्वयं मोह, माया और पाप के समुद्र से पार हो चुके हैं, वही दूसरों को पार उतरने का मार्ग दिखा सकते हैं। जो स्वयं सांसारिक आसक्तियों में उलझा है, वह किसी को मुक्त का पथ नहीं दिखा सकता। इसीलिए कहा गया है कि सदुरु का सान्निध्य मनुष्य को पाशविक प्रवृत्तियों से मुक्त कर उसके भीतर मानवीय और आध्यात्मिक गुणों का विकास करता है। आज समाज में नैतिक पतन, हिंसा, स्वार्थ और मूल्यहीनता का जो वातावरण दिखाई देता है, उसका प्रमुख कारण सदुरुओं की संगति और सत्संग का अभाव भी माना गया है। मनुष्य के जीवन की तुलना एक ऐसे यात्री से की गई है जो घने अंधकार में जंगल के बीच अपना मार्ग खोज रहा है। वह कभी चट्टानों से टकराता है, कभी गड्ढों में गिरता है, कभी भयभीत होता है और कभी भ्रमित होकर भटकता रहता है। ऐसे समय में यदि कोई सर्चलाइट लेकर उसके सामने आ



जाए और कहे कि इस प्रकाश में चलो, मैं तुम्हें सही मार्ग तक पहुँचा दूँ, तो उसका भय समाप्त हो जाता है। यही कार्य सदुरु करते हैं। वे ज्ञान और धर्म की उज्ज्वल सर्चलाइट लेकर साधक के जीवन में प्रवेश करते हैं और उसे अज्ञान के अंधकार से निकालकर सत्य और आत्मबोध के प्रकाश में ले जाते हैं। गुरु शब्द की व्याख्या भी इसी सत्य को स्पष्ट करती है। गु का अर्थ अंधकार और र का अर्थ उसका नाश करने वाला बताया गया है। जो अज्ञान को समाप्त कर ज्ञान का प्रकाश फैलाए, वही गुरु है। वह निराश व्यक्ति में आशा मगता है, भ्रमित को दिशा देता है और मोह-माया के कुहरे से निकालकर सम्यक् दृष्टि का मार्ग दिखाता है। गुरु केवल उपदेश नहीं देते, बल्कि अपने अनुभवों से जीवन की उन गाँठों को

खोलते हैं जिन्हें केवल पुस्तकीय ज्ञान से सुलझाना संभव नहीं होता। गुरु की महत्ता को समझाने के लिए अनेक सदुर उपमाएँ दी गई हैं। जैसे बिजली घर में ऊर्जा भरपूर होती है, पर यदि बल्ब ही खराब हो तो प्रकाश नहीं होगा। उसी प्रकार यदि मनुष्य के भीतर विनय और विवेक का अभाव है, तो ज्ञान का प्रकाश भी उसके जीवन को प्रकाशित नहीं कर सकता। भगवान महावीर के समक्ष राजा, राजकुमार, सेठ और सामान्य जन सभी आए। जिनके भीतर विनय और ग्रहणशीलता थी, उनके जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैल गया, जबकि जिनका अंतःकरण तैयार नहीं था, वे अंधकार में ही भटकते रहे।

सदुरु को जीवन का महान कलाकार भी कहा गया है। जिस प्रकार शिल्पकार अनगढ़ पत्थर को तराशकर भव्य प्रतिमा बना देता है, कुम्हार मिट्टी को सुंदर घड़े का रूप देता है और माली छोटे से बीज को फूलों और फलों से लदे वृक्ष में बदल देता है, उसी प्रकार सदुरु अस्कारी मनुष्य को संस्कारित व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। वे केवल ज्ञान नहीं देते, बल्कि मनुष्य के भीतर छिपी दिव्यता को जागृत करते हैं। अनंत काल से सोई हुई आत्मा को जगाने की

कार्य सदुरु ही करते हैं। गुरु की भूमिका एक अनुभवी चिकित्सक के समान भी है। शरीर के रोगों का उपचार चिकित्सक करता है, पर मन, आत्मा और संस्कारों के रोगों का निदान सदुरु ही कर सकते हैं। शास्त्रों में वर्णित शेणान और अश्विनीकुमार की कथा इसी तथ्य को स्पष्ट करती है कि अनुभवहीन ज्ञान कई बार पर्याप्त नहीं होता। जब अनुभवी गुरु का मार्गदर्शन मिलता है, तभी सही समाधान प्राप्त होता है। जीवन में भी अनेक ऐसी समस्याएँ आती हैं जिनका उत्तर केवल पुस्तकों में नहीं मिलता, बल्कि गुरु के अनुभव और कृपा से मिलता है। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान भगवान से भी पहले माना गया है। संत कबीर का प्रसिद्ध दोहा इसी सत्य को प्रकट करता है कि यदि गुरु और गोविंद दोनों सामने खड़े हों तो पहले गुरु के चरण स्पर्श करने चाहिए, क्योंकि भगवान तक पहुँचने का मार्ग भी गुरु ही दिखाते हैं। इसी भावना को संस्कृत वचन में व्यक्त किया गया है कि ज्ञान का मूल गुरु हैं, पूजा का आधार गुरु के चरण हैं और मोक्ष का मूल गुरु की कृपा है। जैन, वैदिक और सिख-तंत्रों परंपराओं में गुरु की महिमा सर्वोच्च मानी गई है।

गुरु ग्रंथ साहिब में भी गुरु को भगवान का स्वरूप बताया गया है। गुरु केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि दाता भी हैं। वे अपने भीतर संचित आध्यात्मिक अनुभव, ओज, तेज और विवेक को शिष्य के जीवन में प्रवाहित करते हैं। जैसे एक दीपक हजारों दीपकों को प्रकाशित कर देता है और स्वयं का प्रकाश कम नहीं होता, वैसे ही गुरु अपने ज्ञान को बाँटते हुए भी निरंतर प्रकाशित रहते हैं। वे शिष्य के व्यक्तित्व को नया आकार देते हैं और उसे जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने योग्य बनाते हैं। गुरु को दर्पण और गुरु को चक्षु भी कहा गया है। दर्पण मनुष्य को उसका बाहरी स्वरूप दिखाता है, जबकि गुरु उसके भीतर के वास्तविक स्वरूप का दर्शन कराते हैं। वे शिष्य को आत्मकल्याण का मार्ग बताते हैं, जीवन जीने की श्रेष्ठ शैली सिखाते हैं और उसे ऐसा विवेक प्रदान करते हैं जिससे वह विपरीत परिस्थितियों में भी संतुलित रह सके। साधना के मार्ग में जब कोई बाधा आती है, तब गुरु का एक अनुभवपूर्ण संकेत जीवन की दिशा बदल देता है। जैसे अनुभवी इंजीनियर केवल एक उचित स्थान पर हथौड़ी की चोट करके बंद

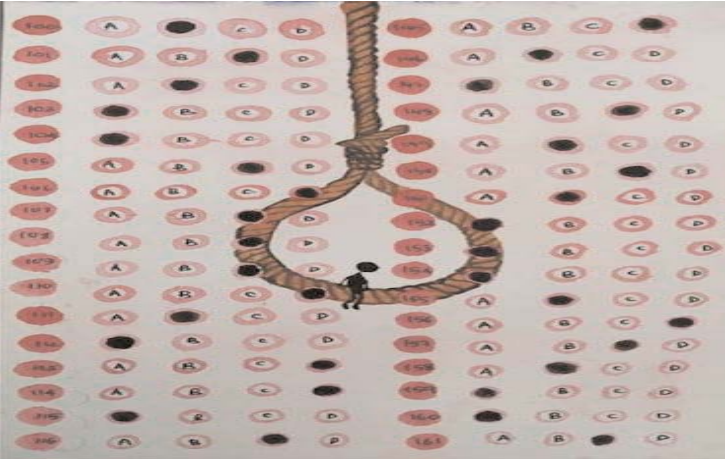
मशीन को चालू कर देता है, वैसे ही सदुरु शिष्य के जीवन की उलझनों से सहजता से सुलझा देते हैं। गुरु पूर्णिमा का पर्व इसी गुरु-परंपरा के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का पर्व है। यह केवल औपचारिक पूजा का अवसर नहीं, बल्कि गुरु की आज्ञा, अनुशासन और बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प है। गुरु पूजा का वास्तविक अर्थ है विनम्रता, श्रद्धा और जीवन में उनके उपदेशों का पालन। जैन साहित्य में भी गुरु के प्रति विनय, भक्ति और सम्मान को ज्ञान, यश, समृद्धि तथा अंततः मोक्ष का आधार बताया गया है। वास्तव में सदुरु मानव जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि हैं। वे अज्ञान को ज्ञान में, निराशा को आशा में, असंस्कार को संस्कार में और भटकाव को लक्ष्य में परिवर्तित कर देते हैं। उनका सान्निध्य मनुष्य को केवल सफल नहीं, बल्कि सार्थक बनाता है। इसलिए भारतीय मनीषा ने गुरु की महिमा का सार इन शब्दों में व्यक्त किया है-गुरु-माँझी से ही मिले भवसागर का कूल, गुरु-वाणी है मंत्र-सम, कृपा मोक्ष का मूल। यही संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना सदियों पहले था।

मनोज कुमार अग्रवाल

आपको बता दें छात्र नीट परीक्षा को लेकर भारी प्रतिस्पर्धा, पेपर लीक व परीक्षा रद्द होने की अनिश्चितता, और कम सीटें होने के कारण अत्यधिक मानसिक तनाव में आ जाते हैं।इस का एक बड़ा कारण अत्यधिक प्रतिस्पर्धा कम सीट और परीक्षा की तैयारी से पैदा दबाव है। लाखों छात्रों के बीच सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीमित सीटें होना।परिवार और खुद की उम्मीदों पर खरा उतरने का भारी मानसिक दबाव।लंबे समय तक पढ़ाई के कारण नींद पूरी न होना और सेहत बिगड़ना।इन सबके पार्श्व में माता पिता परिवार की महत्वाकांक्षा और बच्चे को डाक्टर बनाने का ही एक मात्र जीवन लक्ष्य था।पना सबसे घातक और बच्चे की मनस्थिति को प्रभावित करता है ।

परीक्षा का बार-बार रद्द होना और देबारा परीक्षा होना छात्रों की मानसिक शांति को तोड़ देता है। एनटीए के परिणामों में गड़बड़ी के आरोप और अंकों में भारी अंतर आने की खबरें छात्रों को तोड़ रही हैं।

नीट एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-



मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद भी थोपना सबसे घातक और बच्चे की मनस्थिति को प्रभावित करता है ।

अंकित ने भाई को लिखा कि मम्मी-पापा

को संभालना। उन्होंने काफी त्याग किया, लेकिन मैं सपना पूरा नहीं कर सकी । गुजरात के सूरत में 18 जून को 17 साल के कहान पटेल ने अपनी जान ले ली थी। इनके परिवार का कहना है कि वे नीट परीक्षा से जुड़े तनाव और पेपर लीक से परेशान थे।कहान पटेल के पिता प्रशांत पटेल ने बताया कि 12 मई को कोचिंग क्लास के दौरान बेटे को नीट पेपर लीक की खबर मिली। इसके बाद वह तुरंत सूरत से अहमदाबाद पहुंचा। प्रशांत पटेल के

मुताबिक, पेपर लीक की खबर के बाद उनका बेटा मानसिक तनाव में रहने लगा था। उसके व्यवहार में भी बदलाव आने लगा था, जिसके बाद यह दुखद घटना हुई।

पिछले करीब ढाई माह में दो दर्जन नीट अभ्यर्थियों ने आत्महत्या कर ली है। इन में से-

हरियाणा-1दिल्ली - 2 राजस्थान- 2 उत्तराखंड-1 उत्तर प्रदेश- 4 गुजरात- 1 महाराष्ट्र- 3-मध्य प्रदेश - 3 गोवा - 1 तेलंगाना -1 तमिलनाडु-4 ने जान दी है।

आपको बता दें कि 14 मई-गोवा 17 साल के नीट स्टूडेंट ने आत्महत्या की। यह परीक्षा रद्द होने के बाद सुसाइड का पहला केस था।14 मई को ही उत्तर प्रदेश नयामपुर खीरी में 21 साल के नीट छात्र ऋतिक मिश्रा ने अपने घर पर आत्महत्या कर ली।14 मई- दिल्ली 20 साल की छजा ने नीट परीक्षा अचानक रह होने से तनाव में आकर आत्महत्या कर ली।

16 मई- राजस्थान 22 साल के प्रदीप मेघवाल ने आत्महत्या की। परिवार ने परीक्षा रद्द होने तनाव की बात कही।20 मई- मध्य प्रदेश आकांक्षा चतुर्वेदी ने आत्महत्या की। सुसाइड नोट में देबारा परीक्षा देने का डर बताया था।

गुरु पूर्णिमा: ज्ञान, संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की भारतीय परंपरा का पर्व

व्यास पूर्णिमा के रूप में गुरु पूर्णिमा: आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। यह दिन महर्षि वेदव्यास की प्रज्यती के रूप में प्रसिद्ध है। भारतीय ज्ञान परंपरा में महर्षि वेदव्यास का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने वेदों के विभाजन और सरलीकरण के साथ ज्ञान की परंपरा को व्यापक जनमानस तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया महाभारत, ब्रह्मसूत्र और पुराणों की परंपरा से जुड़े महर्षि वेदव्यास ने धर्म, नीति, न्याय और कर्म जैसे विषयों को समाज के सामने सरल एवं प्रभावी रूप में प्रस्तुत किया। इसी कारण जिस स्थान से ज्ञान, धर्म और संस्कृति का प्रवाह होता है, उसे आज भी व्यासपीठ कहा जाता है। समय के साथ व्यास पूजा ने गुरु पूजा का स्वरूप ग्रहण किया और गुरु पूर्णिमा भारतीय समाज में श्रद्धा एवं कृतज्ञता के पर्व के रूप में प्रतिष्ठित हुई।

गुरु करता है व्यक्तित्व का निर्माण: प्रो. तिवारी का कहना है कि गुरु केवल जानकारी देने वाला नहीं होता। वह विद्यार्थी के भीतर विवेक, संस्कार, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। एक श्रेष्ठ गुरु शिष्य की प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा देने का प्रयास करता है भारतीय परंपरा में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान सृष्टा, पालक और कल्याणकारी माना गया है। महर्षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, संदीपनि, द्रोणाचार्य और चाणक्य जैसे गुरुओं की परंपरा भारतीय इतिहास में ज्ञान और व्यक्तित्व निर्माण के महत्व को दर्शाती है। आधुनिक युग में रामकृष्ण परमहंस जैसे गुरुओं ने भी अपने

शिष्यों के जीवन को नई दिशा दी। स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व और विचारों के निर्माण में उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गुरुकुल व्यवस्था श्री समग्र शिक्षा का केंद्र: प्राचीन भारत की शिक्षा व्यवस्था का आधार गुरु और गुरुकुल थे। गुरुकुलों में विद्यार्थी अनुशासन, सेवा और संयम के साथ विभिन्न विषयों का अध्ययन करते थे शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित विकास करना था।

विद्यार्थियों को वेद, वेदांग, व्याकरण, न्याय, दर्शन, आयुर्वेद, गणित, खगोल और अन्य विविध विद्याओं का ज्ञान दिया जाता था। शिक्षक स्वयं त्याग, तपस्या और आदर्श जीवन के उदाहरण प्रस्तुत करते थे। यही कारण है कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने कपिल, कणाद, गौतम, पतंजलि, पाणिनी, चरक, सुश्रुत और आर्यभट्ट जैसे महान मनीषियों को जन्म दिया भारतीय शिक्षा का उद्देश्य धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जैसे चार पुरुषार्थों के संतुलित विकास के माध्यम से ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करना था, जो व्यक्तितगत उन्नति के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति भी अपने दायित्व को समझे। प्रो. तिवारी के अनुसार स्वतंत्र भारत में भी शिक्षा व्यवस्था को अपनी सांस्कृतिक और ज्ञान परंपरा से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों, मातृभाषा आधारित शिक्षा और समग्र व्यक्तित्व विकास को महत्व दिया गया है।

सदुरु का आलोक : अज्ञान से आत्मबोध तक जीवन को प्रकाशित करने वाली दिव्य चेतना

भारतीय संस्कृति में गुरु को केवल शिक्षक नहीं माना गया, बल्कि जीवन का पथप्रदर्शक, आत्मा का जागरणकर्ता और सत्य का साक्षात् प्रकाश कहा गया है । संसार की जटिलताओं, मोह-माया और अज्ञान के अधकार में भटकते हुए मनुष्य के लिए सदुरु वह दिव्य शक्ति है, जो ज्ञान की उच्चति जलाकर उसे सत्य, विवेक और आत्मकल्याण का मार्ग दिखाते हैं । भौतिक विज्ञान संसार के अनेक रहस्यों को समझा सकता है, परंतु जीवन, चेतना, आत्मा और मोक्ष के रहस्य केवल सदुरु के अनुभव, कृपा और सत्संग से ही उद्घाटित होते हैं । यही कारण है कि भारतीय परंपरा में वक्त वर्ती सम्राट भी सदुरु के चरणों में नतमस्तक होकर स्वयं को धन्य मानते रहे हैं ।

मनेन्द्रगढ़ में आकाशीय बिजली का कहर : तीन अलग-अलग घटनाओं में 3 की मौत, 6 लोग गंभीर घायल

शिवपुर, मंगोरा, जिल्दा और कटकोना में गिरी बिजली, घायलों का अस्पताल में इलाज जारी; प्रशासन ने जारी की सतर्कता की अपील



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में मंगलवार शाम हुई तेज बारिश और गरज-चमक के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की तीन अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज



खड़गवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। घटना के बाद प्रभावित गांवों में शोक का माहौल है। सबसे बड़ी घटना खड़गवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत शिवपुर में हुई जहां खेत में काम कर रहे लोगों पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। इस हादसे में कुंती (35



वर्ष) और मनीष (15 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हरिचंद्र 65 वर्ष जवानिया भाई 65 वर्ष और कुंती बाई 50 वर्ष गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए खड़गवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। दूसरी

ग्राम सेमरिया में हैंडपंपों का क्लोरीनेशन : स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने जलजनित बीमारियों की रोकथाम की पहल



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत डुगला के ग्राम सेमरिया में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए सार्वजनिक हैंडपंपों का क्लोरीनेशन कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना जल स्रोतों की गुणवत्ता बनाए रखना तथा जलजनित बीमारियों की प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करना है लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश

पोद्दार के निर्देशन में विभाग की तकनीकी टीम और हैंडपंप टेक्निशियनों ने ग्राम के सभी सार्वजनिक हैंडपंपों में निर्धारित मानकों के अनुसार 30 एमएल एवं अन्य संक्रमण फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों को नियंत्रित किया गया जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध हो सके अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग, जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई, जलजनित रोगों से

बचाव तथा जल संरक्षण के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने और उनके संरक्षण में सामूहिक भागीदारी निभाना आवश्यक है ताकि दूषित जल से फैलने वाली बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। ग्रामीणों ने विभाग की इस जनहितकारी पहल का स्वागत करते हुए हैंडपंपों और अन्य जल स्रोतों की नियमित देखभाल तथा स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया उनका कहना है कि इस तरह के नियमित क्लोरीनेशन अभियान से गांव में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और लोगों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में जल गुणवत्ता संरक्षण, हैंडपंपों के क्लोरीनेशन तथा सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती से जोड़ने के लिए कृषि विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास अब जमीनी स्तर पर सकारात्मक परिणाम देने लगे हैं संतुलित उर्वरक प्रबंधन और आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़वा देने के उद्देश्य से किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है इसी क्रम में विकासखंड खड़गवां के ग्राम फुनगा निवासी किसान दयाराम सिंह ने खरीफ सीजन में पहली बार अपनी फसल में नैनो डीएपी का उपयोग शुरू किया है उनका मानना है कि नई तकनीकों को अपनकर खेती को

सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लगातार हो रही बारिश और मौसम की खराब स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि गरज-चमक और बारिश के दौरान खुले मैदानों, खेतों, पेड़ों के नीचे तथा बिजली के खंभों या तारों के पास खड़े होने से बचें। मौसम खराब होने पर सुरक्षित भवन या पक्के आश्रय स्थल में शरण लें और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। प्रशासन ने नागरिकों से मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों का पालन करने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल को सूचना देने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि थोड़ी सी सावधानी बरतकर आकाशीय बिजली जैसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

फुनगा के किसान दयाराम सिंह ने अपनाया नैनो डीएपी: आधुनिक खेती की ओर बढ़ाया कदम, बेहतर उत्पादन और कम लागत की उमीद

अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है तथा कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है दयाराम सिंह ने प्रारंभिक कृषि साख सहकारी समिति से नैनो डीएपी प्राप्त कर अपनी खेती में इसके उपयोग की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि खेती की बढ़ती लागत को देखते हुए आधुनिक और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाना समय की आवश्यकता बन गई है इसी सोच के साथ उन्होंने इस वर्ष नैनो डीएपी का प्रयोग करने का निर्णय लिया उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष गांव के कई किसानों ने अपनी फसलों में नैनो डीएपी का उपयोग किया था उन किसानों की फसल की बढ़वार सामान्य फसलों की तुलना में बेहतर रही और उत्पादन में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिले खेतों में मिले इन परिणामों को देखकर उनका विश्वास बढ़ और उन्होंने भी इस वर्ष इस उर्वरक का उपयोग करने का फैसला किया दयाराम सिंह ने कहा, 'मैं पहली बार नैनो डीएपी का उपयोग कर रहा हूं। पिछले साल आसपास के किसानों ने इसका प्रयोग

किया था और उन्हें अच्छे परिणाम मिले उनकी फसल देखकर मुझे भी प्रेरणा मिली। मुझे पूरा विश्वास है कि इसके उपयोग से मेरी फसल की बढ़वार अच्छी होगी और उत्पादन में भी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने नैनो डीएपी की सबसे बड़ी विशेषता इसकी आसान उपलब्धता और परिवहन को बताया उनके अनुसार पारंपरिक उर्वरकों की भारी-भरकम बोřियों को खेत तक पहुंचाना कठिन होता है जबकि नैनो डीएपी की छोटी बोतल को आसानी से बैग में रखकर खेत तक ले जाया जा सकता है इससे किसानों के समय, श्रम और परिवहन लागत में भी कमी आती है दयाराम सिंह ने अन्य किसानों से भी अपील की कि वे कृषि विभाग के वैज्ञानिक मार्गदर्शन के अनुसार नई कृषि तकनीकों और उन्नत उर्वरकों को अपनाएं। उनका कहना है कि संतुलित उर्वरक प्रबंधन से खेती की लागत कम होने के साथ-साथ फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में सुधार संभव है कृषि विभाग द्वारा जिले में नैनो डीएपी, नैनो यूरिया सहित अन्य

आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग को बढ़वा देने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को वैज्ञानिक खेती से जोड़ना, भूमि की उर्वरता का संरक्षण करना, संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़वा देना तथा किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि

वैज्ञानिक अनुसंधानों के अनुरूप नैनो उर्वरकों का उपयोग पारंपरिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने, फसल की बेहतर वृद्धि, लागत में कमी तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिले में बढ़ती किसानों की भागीदारी इस बात का संकेत है कि आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति किसानों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।



दुकान के शटर में करंट लगने से युवक की मौत, परिजनों ने साजिश की आशंका जताई



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के अमोला थाना क्षेत्र अंतर्गत मामोनी खुर्द गांव में 20 वर्षीय युवक की करंट लगने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने गांव के कुछ युवकों पर दुकान के शटर में

जानबूझकर करंट छोड़कर साजिश रचने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरो की कर्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार मामोनी खुर्द निवासी भरत

विश्वकर्मा 20 पिता महेश विश्वकर्मा, सोमवार शाम गांव के बाहर अपने कुछ परिचितों के साथ मौजूद था। इसी दौरान वह एक दुकान के शटर के संपर्क में आ गया। बताया जा रहा है कि शटर में करंट प्रवाहित होने के कारण उसे जोरदार बिजली का झटका लगा जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के तुरंत बाद परिजन और ग्रामीण उसे उपचार के लिए शिवपुरी मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया और गांव में शोक का माहौल है। मृतक के परिजनों

ने इस घटना को महज हादसा मानने से इनकार करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि दुकान के शटर में जानबूझकर करंट छोड़ दिया गया था। परिजनों ने गांव के चार से पांच लोगों पर साजिश रचने की आशंका व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि मामले की गहन जांच की जाए तो सच्चाई सामने आ सकती है। घटना की सूचना मिलने पर मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को

अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पूरे मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। अमोला थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह सैर ने बताया कि मेडिकल कॉलेज चौकी से मर्ग खयरी प्राप्त होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मामले की सभी पहलुओं से जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों और साक्ष्यों का परीक्षण किया जाएगा। जांच में यदि किसी प्रकार की लापरवाही साजिश या आपराधिक कृत्य सामने आता है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कर्रवाई की जाएगी।

कुख्यात बदमाश लकी पटेल पर एनएसए की कार्रवाई, गिरफ्तार कर केेंद्रीय जेल भेजा गया

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। शहर के कुख्यात बदमाश लकी पटेल के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल भेज दिया है। आरोपी पर हत्या के प्रयास, अवैध वसूली, फयर आर्म्स एक्ट, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम समेत 20 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि उसकी लगातार आपराधिक गतिविधियों से क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ था। पुलिस के अनुसार, हाल ही में लकी पटेल ने सिविल लाइन थाना क्षेत्र में

आयोजित एक शादी समारोह के दौरान पुपनी रंजिश के चलते कई राउंड फायरिंग की थी। घटना के बाद वह फयर हो गया था। इस वारदात के बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी और उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही थी। जांच में सामने आया कि लकी पटेल अपराध करने के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल अपने खौफ को बढ़ाने के लिए करता था। वह पिस्टल और चाकू जैसे हथियारों के साथ फोटो और वीडियो बनाकर इंट्राग्राम पर पोस्ट करता था। इतना ही नहीं जेल जाने के दौरान भी अपने साथियों से वीडियो बनवाकर सोशल मीडिया पर अपलोड

करवाता था, ताकि इलाके में उसका दबदबा बना रहे और लोगों में भय का माहौल कायम रहे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि वह 2019 से आरोपी लगातार आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय था। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, रंगदारी, अवैध वसूली, फयर आर्म्स एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सहित 20 से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस द्वारा कई बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई किए जाने के बावजूद उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। उसकी गतिविधियों के कारण लोग शिकायत दर्ज करने से भी डरने लगे थे।

980 रुपए के संदिग्ध ट्रंजेक्शन पर 2.51 करोड़ का खाता फ्रीज करना अनुचित : हाईकोर्ट

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ ने बैंक खाते फ्रीज करने के मामलों में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि जांच एजेंसियां केवल संदिग्ध लेन-देन से जुड़ी राशि पर ही रोक लगाएं। पूरे बैंक खाते को फ्रीज करना अंतिम और असाधारण परिस्थिति में ही किया जाना चाहिए। अदालत ने यह टिप्पणी भोपाल की महिला कारोबारी अर्चना शिवहरे के मामले की सुनवाई के दौरान की। मामले के अनुसार, भोपाल निवासी अर्चना शिवहरे के चालू बैंक खाते में 2.51 करोड़ से अधिक की राशि जमा थी। अप्रैल 2026 में भारतीय स्टेट बैंक की इटएसी शाखा ने बिना पूर्व सूचना उनका पूरा बैंक खाता फ्रीज कर दिया। बाद में उन्हें जानकारी मिली कि भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा-106 के तहत दर्ज साइबर अपराध की जांच में महज 980 के संदिग्ध ट्रंजेक्शन के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी। अर्चना शिवहरे नरसिंहपुर जिले

में सात कंपोजिट शराब दुकानों की लाइसेंसधारी हैं और उनका पूरा व्यावसायिक लेन-देन इसी बैंक खाते से संचालित होता है। खाता फ्रीज होने से उनके कारोबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़, जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ऐवर्थ साहू ने अदालत में दलील दी कि यदि जांच के लिए आवश्यक हो तो केवल 980 की विवादित राशि पर रोक लगाई जाए, न कि पूरे खाते को बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि वैध धनराशि पर रोक लगाना न्यायसंगत नहीं है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने कहा कि जांच एजेंसियों को कथित अपराध से जुड़ी राशि और खाते में मौजूद वैध धनराशि के बीच स्पष्ट अंतर करना चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि जहां तक संभव हो पूरे खाते को फ्रीज करने के बजाय केवल विवादित राशि पर लिफ्टन या डेबिट फ्रीज लगाया जाए।

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ ने अपनी संस्थागत पहचान को नई दिशा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर लोगो डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित करने की घोषणा की है इस प्रतियोगिता के माध्यम से महाविद्यालय ऐसा विशिष्ट, आकर्षक और अर्थपूर्ण लोगो तैयार कराना चाहता है, जो चिकित्सा शिक्षा, उपचार, सेवा, करुणा, अनुसंधान तथा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक पहचान को प्रभावी रूप से प्रदर्शित करे प्रतियोगिता में देशभर के विद्यार्थी, चिकित्सक, नर्स, शिक्षक,



पेशेवर डिजाइनर और अन्य इच्छुक नागरिक भाग ले सकेंगे महाविद्यालय प्रशासन का कहना है कि प्रत्येक प्रतिष्ठित संस्थान की पहचान उसके प्रतीक चिन्ह से होती है इसी सोच के साथ संस्थान ने रचनात्मक प्रतिभाओं को आमंत्रित करते हुए संदेश दिया

है कि 'हर महान संस्थान की पहचान उसके प्रतीक से होती है अब बारी है पहचान गढ़ने ' प्रतियोगिता में चयनित लोगो भविष्य में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ की आधिकारिक पहचान बनेगा और इसका उपयोग संस्थान के लेटरहेड, प्रमाण-पत्र, पहचान

पत्र, वेबसाइट, सूचना बोर्ड, प्रचार सामग्री तथा अन्य सभी आधिकारिक दस्तावेजों में किया जाएगा महाविद्यालय द्वारा प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां 27 जुलाई 2026 से आमंत्रित की गई हैं इच्छुक प्रतिभागी 12 अगस्त 2026 शाम 5 बजे तक अपनी प्रविष्टियां भेज सकते हैं प्रतियोगिता के विजेता को 10,000 की पुरस्कार राशि के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता का परिणाम महाविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर घोषित किया जाएगा महाविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट कहा है कि प्रतियोगिता में प्रस्तुत किया जाने वाला लोगो पूरी तरह मौलिक होना चाहिए।

किसी अन्य स्थान पर प्रकाशित, कॉपीराइट युक्त अथवा किसी अन्य कलाकार की कलाकृति, फोटो या प्रतीक का उपयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके अलावा किसी धार्मिक प्रतीक, राजनीतिक दल के चिन्ह या राज्य चिन्ह का उपयोग भी प्रतिबंधित रहेगा मेडिकल प्रतीक के रूप में कैडब्यूसियस का उपयोग किया जा सकता है, जबकि स्टार ऑफ लाइफ प्रतीक का उपयोग नहीं करने की सलाह दी गई है। प्रतियोगिता में प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक ही प्रविष्टि भेज सकेगा। किसी संस्था, संगठन, समूह या फर्म के नाम से प्रविष्टियां स्वीकार नहीं की जाएंगी साथ ही चयन समिति के

सदस्य तथा उनके परिवार के सदस्य प्रतियोगिता में भाग लेने के पात्र नहीं होंगे महाविद्यालय ने लोगो के स्वरूप को लेकर भी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। लोगो ऐसा होना चाहिए जो चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, करुणा, अनुसंधान और जनसेवा का संदेश देने के साथ-साथ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की स्थानीय संस्कृति, जनजातीय विरासत, प्राकृतिक प्रतीक का उपयोग नहीं करने से प्रस्तुत करे। डिजाइन सरल, आकर्षक, यादगार और विभिन्न माध्यमों-ट्रिट, डिजिटल, साइनेज तथा प्रचार सामग्री-में समान रूप से उपयोग योग्य होना चाहिए।

छतरपुर में वाहन की टक्कर से किसान की मौत झड़वर की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने घंटो पर जाम लगाया



मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक सड़क हादसे में 55 वर्षीय किसान की मौत हो गई। पृथ्वीपुर निवासी जगेश्वर पाल को गरेला-कुराहा के बीच एनएच-86 पर टोल टैक्स के पास एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फगर हो गया। जगेश्वर पाल की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने अज्ञात वाहन चालक की तत्काल गिरफ्तारी और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग-86 पर जाम लगा दिया। इस कारण राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और यातायात कई घंटों तक बाधित रहा। सूचना मिलने पर गढ़ी मलहरा थाना प्रभारी रीता सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन और ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। बाद में थाना प्रभारी और वरिष्ठ नागरिकों की समझाइश के बाद जाम समाप्त किया गया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी वाहन और चालक का जल्द पता लगाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इटारसी में सियार का हमला, 12 लोग घायल महिला का चेहरा नोचा, 10 टांके लगे; मोहल्ले में दहशत, लाठी-डंडों के साथ पहरा दे रहे



भगत सिंह नगर में सोमवार रात करीब 10 बजे एक पागल सियार ने रिहायशी इलाके में घुसकर लोगों पर हमला कर दिया। इस घटना में महिला और बच्चे समेत करीब 10 से 12 लोग घायल हो गए, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

महिला के जबड़े पर किया हमला, आए 10 टांके: हमले में 55 वर्षीय कौशल्या बाई प्रजापति गंभीर रूप से घायल हुई हैं। सियार ने उनके चेहरे और जबड़े को बुरी तरह नोच लिया। उन्हें तुरंत इटारसी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनके जबड़े पर करीब 10 टांके लगाए गए हैं।

10 साल के बच्चे समेत कई लोग घायल: सियार ने रास्ते में आने वाले कई अन्य लोगों को भी काट कर घायल कर दिया। घायलों में शकील अहमद, महेंद्र साहू, अभय प्रजापति, संजय प्रजापति, सिमरन मौर्य और एक 10 वर्षीय बच्चा शामिल हैं।

अस्पताल में चल रहा घायलों का इलाज: सरकारी अस्पताल में तैनात डॉ. विकास जयपुरिया ने बताया कि 10 से 12 घायलों को अस्पताल लाया गया है। सभी मरीजों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें एंटी-रेबीज इंजेक्शन और ड्रेंजिंग दी गई है। फिलहाल सभी को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

मोहल्ले में फैला खौफ, लाठी-डंडों के साथ पहरा: स्थानीय निवासियों का मानना है कि सियार पास की झाड़ियों या जंगलों से भटककर बस्ती में आ गया था। घटना के बाद इलाके में खौफ का सननाटा पसरा हुआ है और लोग सुरक्षा के लिए लाठी-डंडे लेकर पहरा दे रहे हैं।

यह हुए घायल: हमले में घायल होने वालों में कौशल्या बाई (54), सलमान शाह (31), अभिषेक पाल (30), इसराइल शाह (45), अनूप बरखने (50), शकील अहमद (52), वीरत प्रसाद (44), अभय प्रजापति (10), महेंद्र साहू (53), सिमरन मौर्य (26), बुजेश सिंह (30), अतीक अहमद (14) और सोनू (23) शामिल हैं। सियार ने सबसे गंभीर हमला कौशल्या बाई पर किया, जिनके चेहरे पर गहरे घाव आए हैं। अधिकारिश मरीजों के कमर और पैर में सियार ने काटा है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सियार की तलाश शुरू कर दी। स्थानीय लोगों से रात में सतर्क रहने और अकेले बाहर नहीं निकलने की अपील की गई है।

बुरहानपुर में दो दिन राहत के बाद रिमझिम लौटी तापमान 31 डिग्री पहुंचा; अब तक 13.9 इंच बरसात हुई



अधिक है। पिछले दो-तीन दिनों से बारिश न होने के कारण तापमान में वृद्धि देखी गई थी, हालांकि सोमवार शाम डभियाखेड़ा क्षेत्र में हुई रिमझिम बारिश से मौसम में कुछ ठंडक आई। थोड़ी देर यह बारिश भी हुई। पिछले लगभग पांच दिनों से जिले का तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। सोमवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले की औसत वार्षिक बारिश का आंकड़ा 823.6 मिमी है, जबकि इस साल अब तक 353.0 मिमी बारिश हुई है।

जावरा में चोरों का आतंक: बदमाशों ने एक मकान और कोल्ड्रिक्स एजेंसी को बनाया निशाना;जेवर समेत ढाई लाख उड़ाए

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के जावरा में चोरों ने सूने मकान समेत एक कोल्ड ड्रिंक दुकान को अपना निशाना बनाया। चोरी करते हुए चोरों का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। चोर पुलिस के खौफ के बिना आसानी से चोरी कर रहे हैं। चोर घर से सोने-चांदी के जेवर चुरा ले गए, वहीं कोल्ड ड्रिंक एजेंसी से कलेक्शन के करीब ढाई लाख रुपये ले गए। चोरी की घटना सोमवार तड़के की है, जिसका सीसीटीवी सामने आया। चोरों ने सबसे पहले खाचरीद नाका रोड स्थित राजेंद्र जयंत परिसर निवासी दीपक कुमार प्रजापत के सूने मकान को निशाना बनाया। दीपक कुमार अपने निजी काम से बाहर गए थे। रविवार को देर होने पर वह अपने परिचित के यहां गांव मांडवी में रुक गए। उनकी पत्नी व बच्चे शिवगढ़ गए थे और माता-पिता दूसरे मकान में



रहते हैं। चोर ताले तोड़कर अलमारी से 8 ग्राम सोने का लॉकेट, 700 ग्राम चांदी की पायल और 70 हजार रुपये नकद चुरा ले गए।

पड़ोसी की नजर पड़ी, इशारे से धमकाया: चोरों पर सुबह जब

पड़ोसी कालूराम की नजर पड़ी, तो बदमाशों ने उन्हें इशारों से धमकाया और आसानी से निकल गए। बाद में उन्होंने दीपक कुमार प्रजापत को सूचना दी। जब वह जावरा स्थित घर पहुंचे, तो सारा सामान बिखरा मिला।

सीहोर में 10 लाख का भवन बना खंडहर 10 साल से अधूरा पड़ा सामुदायिक भवन, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा फायदा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले की इछहर जनपद पंचायत के नयापुरा गांव में सरकारी योजना की एक तस्वीर सामने आई है, जहां करीब 10 साल से सामुदायिक भवन अधूरा पड़ा हुआ है। ग्रामीणों को सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए आज भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2017 में विधायक निधि से स्वीकृत इस भवन के निर्माण के लिए राशि तो जारी हुई, लेकिन काम पूरा नहीं हो सका। अब अधूरा भवन धीरे-धीरे जर्जर हालत में पहुंच चुका है।

10 लाख रुपये हुए थे स्वीकृत, पहली किश्त में मिले थे 4 लाख: जानकारी के अनुसार, वर्ष 2017 में विधायक निधि से नयापुरा गांव में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी।निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए ग्राम पंचायत को पहली किश्त के रूप में 4 लाख रुपये जारी



किए गए थे। इसके बाद निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ पाया और भवन अधूरा रह गया।

मूल्यांकन में गड़बड़ी के बाद रुकी अगली किश्त: ग्रामीणों का आरोप है कि तत्कालीन सरपंच और सचिव के कार्यकाल में निर्माण में वित्तीय अनियमितताएं बरती गईं। बताया जा रहा है कि इंजीनियर के मूल्यांकन में गड़बड़ी सामने आने के बाद पंचायत को अगली किश्त जारी

नहीं की गई, जिसके कारण निर्माण का काम बीच में ही रुक गया।

अधूरा भवन बना खंडहर, दीवारों में आई दरारें: करीब एक दशक से अधूरा पड़ा सामुदायिक भवन अब बदहाल हो चुका है। भवन परिसर में घास उा आई है, बुनियाद कमजोर हो रही है और दीवारों पर पानी का असर दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी राशि खर्च होने के बावजूद

उन्हें भवन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। वहीं नया सामुदायिक भवन भी स्वीकृत नहीं हो पा रहा है।

सरपंच बोले- नए भवन की स्वीकृति में आ रही परेशानी: ग्राम पंचायत सरपंच रूपसिंह ने बताया कि अधूरा सामुदायिक भवन होने के कारण नया भवन स्वीकृत नहीं हो पा रहा है।उन्होंने कहा कि गांव में छेटे-बड़े सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भी ग्रामीणों को परेशानी उठनी पड़ती है।

पूर्व सचिव ने कहा- पहली किश्त से कराया था काम: तत्कालीन सचिव राजेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि उन्हें पहली किश्त के रूप में 4 लाख रुपये मिले थे और उसी राशि से निर्माण कार्य कराया गया था। उन्होंने कहा कि आगे की किश्त नहीं मिलने के कारण काम रुक गया। वर्तमान स्थिति के बारे में उन्होंने जानकारी होने से इनकार किया, क्योंकि अब वह दूसरी पंचायत में पदस्थ हैं।

जिले में खरीफ फसल हेतु पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है खाद

जिले में वर्तमान में यूरिया 17567 मेट.टन, डीएपी 3693 मेट.टन तथा एनपीके 7357 मेट.टन का है भण्डारण

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में खरीफ वर्ष 2026 हेतु पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं। कृषि विभाग के उप संचालक श्री केपी भगत ने अद्यतन जानकारी देते हुए बताया कि जिले में खरीफ 2026 हेतु उर्वरक लक्ष्य 137050 मैट्रिक टन है। जिले में अभी तक यूरिया, डीएपी, एमओपी, एनपीके तथा एसएसपी को मिलाकर कुल 104870 मैट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हुई है जिसमें से किसानों को 62328 मैट्रिक टन खाद का वितरण हो गया है तथा वर्तमान में 42543 मैट्रिक टन खाद उपलब्ध है। इसमें यूरिया 17567 मैट्रिक टन, डीएपी 3693 मैट्रिक टन, एमओपी 3319 मैट्रिक टन, एनपीके 7357 मैट्रिक टन तथा एसएसपी 10607 मैट्रिक टन उपलब्ध है। जिले में खाद की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने निरंतर खाद की रैक धार हो रही हैं। जिले में स्थित विपणन संघ

केन्द्रों पर भी पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता है। विपणन संघ केन्द्रों में कुल यूरिया 6239.786 मैट्रिक टन, डीएपी 676.05 मैट्रिक टन तथा एनपीके 4162.55 मैट्रिक टन उपलब्ध है। इनके अतिरिक्त जिले की सहकारी समितियों में भी कुल यूरिया 5304.571 मैट्रिक टन, डीएपी 640.15 मैट्रिक टन तथा एनपीके 1157.5 मैट्रिक टन उपलब्ध है। जिले के थोक निजी उर्वरक विक्रेताओं के पास कुल यूरिया 791.105 मैट्रिक टन, डीएपी 38.1 मैट्रिक टन तथा एनपीके 115.75 मैट्रिक टन उपलब्ध है। जिले के फुटकर निजी उर्वरक विक्रेताओं के पास कुल यूरिया 1998.1 मैट्रिक टन, डीएपी 135.45 मैट्रिक टन तथा एनपीके 467.75 मैट्रिक टन उपलब्ध है। जिले में प्राप्त होने वाली उर्वरक रैक की जानकारी देते हुए बताया कि डीएपी की 995.27 मैट्रिक टन की रैक जिले को प्राप्त होने

वाली है। जिले के किसानों से अपील करते हुए उप संचालक कृषि ने कहा कि जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है, किसान भाई अपनी खरीफ फसलों की बोनी हेतु आवश्यकतानुसार फास्फेटिक उर्वरक अथवा एनपीके अपनी सहकारी समिति, निकटतम डबल लॉक केन्द्र अथवा निजी पंजीकृत विक्रेता से क्रय कर सकते हैं। खरीफ फसल की बोनी में आधार खाद के रूप में एनपीके, सुपर फास्फेट का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए क्योंकि डीएपी से दो पोषक तत्वा नाइट्रोजन एवं फॉस्फोरस प्राप्त होते हैं जबकि सुपर फॉस्फेट से अतिरिक्त सल्फर तत्व प्राप्त होता है जो तिलहनी फसलों के लिए आवश्यक है। एनपीके के उपयोग से एक अतिरिक्त तत्व पोटाश प्राप्त होता है जो फसल के लिए आवश्यक भी है और पौधों को रोग, बीमारी तथा कीटों से भी सुरक्षा प्रदान करता है।

मुनाफे के लालच में 10 लाख की साइबर ठगी रतलाम में फेसबुक लिंक से फंसा निवेशक, पुलिस ने खातों में 5 लाख की राशि होल्ड कराई

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। शेयर मार्केट में निवेश कर डबल मुनाफा कमाने के चक्कर में 10 लाख की ठगी हो गई है। फेसबुक पर आई लिंक के साझे में आकर अलग-अलग समय में कुल 10 लाख जमा करा दिए। लेकिन रिटर्न कुछ नहीं मिला। लिंक बंद होने पर पता चला कि सायबर ठगों ने रुपए ठा लिए। तब पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सायबर ठगों के खातों से 5 लाख रुपए से अधिक की राशि को होल्ड कराया। मामला स्टेशन रोड थाना क्षेत्र से जुड़ा है। फरियादी द्वारा 12 मार्च 26 को साइबर सेल रतलाम में शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादी ने बताया कि उसे फेसबुक पर एक लिंक प्राप्त हुई थी, जिसके माध्यम से उसे शेयर मार्केट में निवेश कर अधिक लाभ कमाने का लालच दिया गया। लालच में आकर फरियादी ने 27 फरवरी 2026 से 12



मार्च 2026 के बीच अलग-अलग किस्तों में 10 लाख रुपए से अधिक की राशि कथित निवेश के नाम पर जमा कर दी। ठगों द्वारा फरियादी को अधिक मुनाफा दिलाने का लालच देकर लगातार और राशि निवेश करने के कहते रहे।

एप्लीकेशन बंद होने पर चला पता: जब फरियादी द्वारा निवेश की गई राशि को वापस निकालने (विड्रॉल) करने का प्रयास तो संबंधित एप्लीकेशन

बंद हो गई। इसके बाद फरियादी को अपने साथ साइबर ठगी का आभास हुआ। तब उसने तत्काल साइबर सेल रतलाम में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर साइबर सेल रतलाम द्वारा कार्रवाई करते हुए शिकायत को नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (ह्रष्ट्रक्र) पर दर्ज किया। साइबर सेल टीम द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर संबंधित बैंक खातों एवं लेनदेन की जानकारी निकालते हुए ठगों के खातों में पहुंची 5 लाख से अधिक राशि होल्ड करवाई। साइबर सेल की तत्परता के कारण दी। ठगों द्वारा फरियादी को अधिक मुनाफा दिलाने का लालच देकर लगातार और राशि निवेश करने से रोका।

खातों में आई 2.68 लाख की राशि: साइबर सेल टीम द्वारा आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए कोर्ट के समक्ष राशि रिफंड के लिए कार्रवाई की। कोर्ट द्वारा 5,04,126 लाख फरियादी

के खाते में वापस किए जाने के आदेश जारी किए। आदेश के अनुपालन में अब तक फरियादी के बैंक खाते में 2,68,907 लाख की राशि प्राप्त हो चुकी है। सायबर सेल के अनुसार शेष राशि भी फरियादी के खाते में रिफंड करवाने की प्रक्रिया जारी है

86 लाख से अधिक राशि होल्ड कराई: एसपी अमित कुमार ने बताया कि साइबर अपराधों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2026 में अब तक रतलाम पुलिस द्वारा साइबर ठगी के मामलों में कुल २86,28,026 की राशि ठगों के खातों में होल्ड करवाने में सफलता प्राप्त की है। इनमें से २20,23,739 की राशि फरियादियों के खातों में रिफंड करवाई जा चुकी है, जबकि शेष होल्ड राशि को भी संबंधित फरियादियों के खातों में वापस करवाने के लिए आवश्यक वैधानिक एवं न्यायालयीन प्रक्रिया जारी

करीब 2.50 लाख रुपये नकद और कोल्ड ड्रिंक की एक पेटी चुरा ले गए। घटना की जानकारी सोमवार सुबह एजेंसी पहुंचने पर हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। जावरा सीएसपी युवराज सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है और रात्रि गश्त भी बढ़ाई जा रही है।

रतलाम में भी नहीं पकड़े गए बदमाश: पिछले सप्ताह रतलाम के थाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित रिड्रि-सिद्धि कॉलोनी में चड्डी-बनियान पहने हुए चोर यहाँ सीसीटीवी में कैद हुए हैं। चोर यहाँ सीसीटीवी की नजर से खुद को बचाते रहे। यहाँ तक कि एक चोर सीसीटीवी कैमरे को ढकने की कोशिश करता नजर आया ताकि वह वीडियो में कैद न हो सके। लेकिन अलग-अलग कैमरे लगे होने के कारण चोर उसमें कैद हो गए। एजेंसी संचालक हेमंत जैन के अनुसार चोर उनके यहाँ से 3 दिन के कलेक्शन के

सागर में एडवोकेट ने खाया जहर, मौत विल्लाने की आवाज सुन परिजन पहुंचे, साथी बोले- मानसिक तनाव था

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में कैट थाना क्षेत्र के सदर इलाके में रहने वाले अधिवक्ता ने मंगलवार को जहरीला पदार्थ खा लिया?। परिवार के लोग उन्हें निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने चेकअप के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार, एडवोकेट दीपक रंजन तिवारी निवासी सदर मंगलवार सुबह अपने घर पर थे। तभी उन्होंने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। उनके चिल्लाने की आवाज सुन परिवार के लोग मौके में पहुंचे तो देखा दीपक जमीन पर पड़े थे। तत्काल दीपक को सागर के बंसल हास्पिटल लेकर पहुंचे। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अधिवक्ता दीपक रंजन तिवारी की मौत की खबर फैलते ही साथी अधिवक्ता और उनके परिचितों की अस्पताल में भीड़ लग गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सीथी बोले- तनाव में थे: मामले में आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। मृतक के परिजन अभी कुछ बोलने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि कुछ परिचितों का कहना है कि मृतक अधिवक्ता दीपक के खिलाफ एक मामला चल रहा है। जिसको लेकर वे मानसिक तनाव में थे। कुछ दिनों से न्यायालय भी नहीं आ रहे थे। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सागर में अधिकारी बनकर महिला स्वास्थ्यकर्मी से ठगी

नायब तहसीलदार बनकर फोन किया, बजट राशि के नाम पर 60 हजार रुपए



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के केसली क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की महिला कर्मचारी के साथ साइबर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। ठग ने खुद को प्रशासनिक अधिकारी बताकर महिला कर्मचारी को अपने झांसे में लिया और अलग-अलग बैंक खातों में करीब 60 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। ठगी का एहसास होने के बाद महिला कर्मचारी ने सागर एसपी कार्यालय पहुंचकर साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नायब तहसीलदार बनकर किया फोन, बजट राशि का दिया झांसा: जानकारी के अनुसार, केसली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र मोहासा में पदस्थ एएनएम मीना पटेल ने शिकायत में बताया कि रविवार को उनके

मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को नायब तहसीलदार अशोक मिणा बताया। आरोपी ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र की मरम्मत के लिए बजट स्वीकृत हुआ है और यह राशि उनके बैंक खाते में ट्रांसफर की जानी है।

पेमेंट एप डाउनलोड कराकर तीन खातों में ट्रांसफर कराए रुपए: ठग ने बातचीत के

दौरान एएनएम को विश्वास में लिया और एक पेमेंट एप डाउनलोड करने के लिए कहा। इसके बाद अलग-अलग बातों में उलझाकर तीन बैंक खातों से करीब 60 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। महिला कर्मचारी को जब ठगी का संदेह हुआ तो उन्होंने तुरंत मामले की जानकारी अधिकारियों को दी और इसके बाद एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

सागर में अधिकारी बनकर महिला स्वास्थ्यकर्मी से ठगी

मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को नायब तहसीलदार अशोक मिणा बताया। आरोपी ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र की मरम्मत के लिए बजट स्वीकृत हुआ है और यह राशि उनके बैंक खाते में ट्रांसफर की जानी है।

पेमेंट एप डाउनलोड कराकर तीन खातों में ट्रांसफर कराए रुपए: ठग ने बातचीत के

दौरान एएनएम को विश्वास में लिया और एक पेमेंट एप डाउनलोड करने के लिए कहा। इसके बाद अलग-अलग बातों में उलझाकर तीन बैंक खातों से करीब 60 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। महिला कर्मचारी को जब ठगी का संदेह हुआ तो उन्होंने तुरंत मामले की जानकारी अधिकारियों को दी और इसके बाद एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

अनजान लिंक पर ना करे लिंक: रतलाम पुलिस ने आमजन से अपील की कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विशेषकर फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2026 में अब तक रतलाम पुलिस द्वारा साइबर ठगी के मामलों में कुल २86,28,026 की राशि ठगों के खातों में होल्ड करवाने में सफलता प्राप्त की है। इनमें से २20,23,739 की राशि फरियादियों के खातों में रिफंड करवाई जा चुकी है, जबकि शेष होल्ड राशि को भी संबंधित फरियादियों के खातों में वापस करवाने के लिए आवश्यक वैधानिक एवं न्यायालयीन प्रक्रिया जारी

टी20 वर्ल्ड कप में 20 नहीं 24 टीमें लेंगी हिस्सा !

2028 और 2030 में टूर्नामेंट का फॉर्मेट भी बदलेगा

नई दिल्ली,एजेसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा हाल ही में 2028 और 2030 टी20 वर्ल्ड कप में टूर्नामेंट के फॉर्मेट बदलने की जानकारी दी गई थी। अब नई रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी सामने आई है कि, आईसीसी ने अब टीमों की संख्या बढ़ाने का भी प्लान किया है। अभी तक 20 टीमों टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेती हैं। गौरतलब है कि 2024 में 16 से 20 तक संख्या बढ़ाई गई थी। अब यह संख्या 24 तक जा सकती है।



टेलीग्राफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी ने अपना विजन टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट बनाने का रखा है। ऐसे में 2032 के संस्करण में 20 से 24 टीमों तक यह टूर्नामेंट बढ़ सकता है। हालांकि, अगले दो संस्करण 2028 और 2030 में 20 टीमों ही हिस्सा लेंगी। वहीं अगले दोनों टी20 वर्ल्ड कप आईसीसी द्वारा तय किए गए नए फॉर्मेट पर ही खेले जाएंगे।

क्यों लिया जा सकता है यह फैसला?

रिपोर्ट में कहा गया कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप की सफलता के बाद गर्वनिंग काउंसिल द्वारा अन्य देशों के लिए मौके बढ़ाने और दुनियाभर में क्रिकेट के नए बाजार को तैयार करने के लिए यह फैसला लिया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी का विजन है टी20 वर्ल्ड कप की 32 टीमों का टूर्नामेंट करवाने का। इसलिए आईसीसी धीरे-धीरे टीमों की संख्या बढ़ाकर इस टूर्नामेंट की सफलता को आंकना चाहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आईसीसी के मुताबिक टी20 फॉर्मेट क्रिकेट को दुनियाभर में आगे बढ़ाने का सबसे असरदार जरिया है। 12028 लॉस एंजिल्स

‘संजू की 100 प्रतिशत वापसी होगी’ अभिषेक पर भड़के वर्ल्ड कप चैंपियन, कहा- चयनकर्ताओं को लेना होगा कड़ा फैसला

नई दिल्ली,एजेसी। भारतीय टीम आयरलैंड और इंग्लैंड में हार के बाद जिम्बाब्वे में 3-0 की जीत के साथ पटरी पर लौटी है। मगर टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन सवालों के घेरे में है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पिछली छह पारियों में खासतौर से काफी निराश किया है। उनका पिछली छह पारियों में सर्वोच्च स्कोर 16 रन ही है। इसी कारण टीम इंडिया के पूर्व विश्व चैंपियन खिलाड़ी ने उनके ऊपर चयनकर्ताओं से कड़ा फैसला लेने की मांग की है।



अभिषेक की पिछली 10 पारियों की बात करें तो वह सिर्फ एक अर्धशतक ही लगा पाए हैं। उन्होंने इस दौरान 191 रन ही बनाए हैं। आयरलैंड दौरे पर 49 और 0, इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो मैचों में 59 और 43 रन के बाद अभिषेक शर्मा का बल्ला खामोश है। उसके बाद लगातार उन्हें छह मौके मिले। जबकि संजू सैमसन को इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच और आयरलैंड के खिलाफ पहले दो मैच में पलायन होने के बाद तीन पारियों को देखते ही बाहर कर दिया गया था।



- **सर्वेश कुशारे ने रजत पदक जीता**– बिंदारानी ने स्नैच में 87 और क्लीन एंड जर्क में 112 समेत कुल 199 किलो वजन उठया। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बनकर इन खेलों में इतिहास रच दिया। कुशारे ने 2.25 मीटर की ऊंचाई पार कर दूसरा स्थान हासिल किया। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने स्वर्ण पदक जीता। दोनों खिलाड़ी 2.25 मीटर के बाद 2.28 मीटर पार करने में असफल रहे, लेकिन काउंटबैक नियम के आधार पर बेकफोर्ड को विजेता घोषित किया गया।
- **तेजस्विन शंकर से आगे निकले कुशारे**– इंग्लैंड के जैक किमानी ने 2.20 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। अन्य भारतीय खिलाड़ी आदर्श राम 2.15 मीटर की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में भारत का एकमात्र पदक तेजस्विन शंकर ने 2022 बर्मिंघम खेलों में कांस्य पदक के रूप में जीता था, लेकिन 31 वर्षीय कुशारे ने रजत पदक जीतकर उस उपलब्धि को पीछे छोड़ दिया।
- **श्रीशंकर ने फाइनल में जगह बनाई**– तेजस्विन ने भी सोमवार को स्पर्धा में हिस्सा लिया, लेकिन गुरुवार से शुरू होने वाली पुरुषों की डेकाथलॉन स्पर्धा की तैयारी को देखते हुए उन्होंने 2.05 मीटर के पहले प्रयास में असफल रहने के बाद हटने का फैसला किया। भारत के लंबी कूद के खिलाड़ी एम. श्रीशंकर ने क्वालीफाईंग स्तर पार करके राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में जगह बनाई।

बिंदियारानी ने जीता ब्रॉन्ज

● **वेटलिफ्टिंग में 5वां मेडल** ● **भारत के नाम छठां पदक**



अब तक मेडल

- मीराबाई चानू: गोल्ड (वेटलिफ्टिंग)
- राजा मुथुपंडी: सिल्वर (वेटलिफ्टिंग)
- ज्ञानेश्वरी यादव: सिल्वर (वेटलिफ्टिंग)
- झंडू कुमार: ब्रॉन्ज (पैरा पावरलिफ्टिंग)
- बिंदियारानी देवी: ब्रॉन्ज (वेटलिफ्टिंग)

नई दिल्ली,एजेसी। ग्लासो कोमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के नाम छठा पदक हो गया है। भारत को वेटलिफ्टिंग में पांचवां मेडल मिला है। 58 किलोग्राम वर्ग में बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने स्नैच और क्लीन एंड जर्क मिलाकर 199 किलोग्राम का कुल वजन उठाया और देश को मेडल दिलाया। इससे पहले बर्मिंघम कोमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

58 किलोग्राम की प्रतियोगिता में बिंदियारानी देवी ने स्नैच में अपना बेस्ट अटेम्प्ट 86 किलोग्राम वजन उठाकर दिया था। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उनका बेस्ट 113 किलोग्राम रहा। कुल मिलाकर 199 किलोग्राम के साथ उन्होंने ब्रॉन्ज जीता। वहीं 53 किलोग्राम के बाद 58 किलोग्राम में भी नाइजीरिया को गोल्ड मेडल मिला। राफियातू लावल ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इससे पहले 27 जुलाई सोमवार को भारत को वेटलिफ्टिंग में ही 53 किलोग्राम वर्ग में ज्ञानेश्वरी यादव ने सिल्वर मेडल दिलाया था। भारत को अब तक मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों में एकमात्र गोल मीराबाई

चानू ने दिलाया था। उनको जोड़कर दो पुरुष और तीन महिला वेटलिफ्टर अभी तक इन खेलों में मेडल अपने नाम कर चुके हैं। जबकि एकमात्र मेडल वेटलिफ्टिंग के अलावा पैरा पावरलिफ्टिंग में आया था। कोमनवेल्थ खेलों में भारतीय वेटलिफ्टर्स का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। भारत को वेटलिफ्टिंग के मामले में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा सबसे सफल देश है जिसने राष्ट्रमंडल खेलों में अब तक 134 मेडल जीते हैं और 46 गोल्ड इसमें शामिल हैं।

नई दिल्ली,एजेसी। कोमनवेल्थ गेम्स 2026 की पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बरकरार है। वह पदकों का पचासा लगा चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने 26,13 रजत और 20 कांस्य पदक जीता है। इंग्लैंड 32 पदकों के साथ दूसरे नंबर पर है। उसके 8 स्वर्ण, 12 रजत और 20 कांस्य पदक जीता है। कनाडा तीसरे नंबर पर है। 7 स्वर्ण, 8 रजत और 6 कांस्य पदक जीते हैं। भारत ने पदकों की संख्या के मामले में दहाई का आंकड़ा पार कर



लिया है। हालांकि, उसकी रैंकिंग में सुधार नहीं हुआ है। वह 8वें नंबर पर बना हुआ है। ग्लासगो में सोमवार (27 जुलाई) का दिन भारत के लिए काफी अच्छा रहा। भारत ने 1 स्वर्ण, 3 रजत और दो कांस्य पदक जीते। शर्मिला धनखड़ ने पैरा शॉटफुट में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा। इसी स्पर्धा में शिल्पा शायला को कांस्य पदक जीता। वेटलिफ्टिंग में भारत अबतक 6 पदक जीत चुका है।

भारत से ऊपर नाइजीरिया- नाइजीरिया का स्थान भारत से ऊपर है। उसके 10 पदक हैं। उसने 6 स्वर्ण और 4 रजत पदक जीते हैं। स्कॉटलैंड के 11 पदक हैं। उसने 6 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदक जीते हैं। साउथ अफ्रीका ने 11 पदक जीते हैं। उसके 3 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य पदक जीते हैं। मलेशिया के 5 पदक हैं। 3 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक जीते हैं।

वैभव सूर्यवंशी सिंतबर में होने वाली टी-20 में खेल

- **टी-20 अफगानिस्तान के साथ आयोजित होगी सीरीज**

नई दिल्ली,एजेसी। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम की। कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी में लगातार दो टी20 सीरीज गंवाने के बाद अब भारत ने अय्यर की कप्तानी में खता खोला है। वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में हीरो रहे और 3 पारियों में 151 रन बनाकर टॉप स्कोरर भी बने। उन्हें अंतिम मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। अब नजरें होंगी कि कब वैभव फिर से टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे।

दरअसल अब टीम इंडिया को श्रीलंका का दौरा करना है जहां दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। उसके बाद अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में तीन मैचों की टी20 सीरीज 13, 15 और 17 सितंबर को आयोजित हो सकती है। मगर उससे पहले टीम इंडिया तीन वनडे और तीन टी20 बांग्लादेश के साथ भी खेल सकती है जिसकी पुष्टि नहीं हुई है।



बुमराह-साई अनफिट, जडेजा की वापसी

- **सारांश जैन नया चेहरा, श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान**



राणा की अनुपलब्धता में आकिब नबी को बरकरार है। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मौका नहीं मिला है। गुरनूर बरार टीम में सीरीज में भी वह चुने गए थे।

नई दिल्ली,एजेसी। श्रीलंका दौरे पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए के लिए भारतीय टीम का मंगलवार (28 जुलाई) को ऐलान हो गया। भारतीय टीम के लिए खिलाड़ियों का चोटिल होना चिंता का विषय है। साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह चोटिल हैं। उन्हें टीम में चुना गया है, लेकिन यह भी जानकारी दी गई है कि फिट होने पर ही दोनों उपलब्ध होंगे। वाशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट में उपलब्ध नहीं होंगे। उन्हें स्क्वाड में भी नहीं चुना गया है।

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की वापसी हुई है। वह टेनिस एल्बो की चोट से उबर गए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नहीं खेले थे। भारतीय टीम में एकमात्र नए चेहरा सारांश जैन हैं। हर्षित

श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल [कप्तान], केएल राहुल [उप-कप्तान], यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत [विकेटकीपर], साई सुदर्शन*, ध्रुव जुरेल [विकेटकीपर], रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुतार, जसप्रीत बुमराह*, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पांडेकफल, सारांश जैन।

वरिष्ठ खेल पत्रकार जसविंदर सिद्धू का निधन

सड़क हादसे में गंवाई जान; बाइक चालक ने मारी टक्कर

नई दिल्ली,एजेसी। भारतीय खेल जगत के वरिष्ठ पत्रकार जसविंदर सिद्धू का रविवार 26 जुलाई की देर रात एक सड़क दुर्घटना के बाद निधन हो गया है। नेशनल हाईवे 9 पर उन्हें एक बाइक चालक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक चालक भी घायल हो गया। उसका भी इलाज जारी है। यह हादसा पूर्वी दिल्ली के एनएच-9 पर हुआ। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी और तत्काल प्रभाव से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

जसविंदर सिद्धू के एक करीबी से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार देर रात करीब 12:15 बजे उन्हें इस हादसे की जानकारी



मिली। उन्होंने बताया कि जब एक राहगीर का जसविंदर सिद्धू के फोन से करीबी के पास कॉल आया तो इस हादसे की खबर मिली। फिर जब उस व्यक्ति ने जसविंदर सिद्धू के नंबर पर कॉल किया तो उन्होंने रोते हुए और कराहते हुए खुद इस हादसे के बारे में बताया।

करीबी ने बताया कि हादसे के बाद फोन पर उनसे बात करते हुए जसविंदर सिद्धू ने रोते हुए कहा, ‘रोशन यार बहुत चोट लग गई है तू जल्दी आजा। मैंने उनको कहा भैया आप चिंता मत करो मैं तुरंत पहुंच रहा हूं। मैंने इसके बाद दूसरे करीबी को कॉल किया और उनको बताया।

अटैक आने से हुआ निधन

करीबी ने बताया, ‘मैंने उनको कहा भैया मैं आ गया हूं चिंता मत करना। उन्होंने मुझे रिसपांस भी किया। फिर मैं डॉक्टर से उनका परिचय दिया और अपना भी परिचय दिया और इलाज के लिए तत्परता दिखाने की बात कही। डॉक्टर मुझसे उनके पिताजी का नाम घर का पता वगैरह पूछने लगे। मैंने बताया मुझे मालूम नहीं है। फिर डॉक्टर ने कहा कि देख लो पॉकेट में कुछ होगा आईडी वगैरह। फिर डॉक्टर ने आईडी वगैरह लिया और इलाज शुरू करवाया। इसी बीच उनको अटैक आ गया। डॉक्टर ने काफी कोशिश की। वह एक बार होश में भी आए। फिर उन्हें जीटीबी हॉस्पिटल लेकर ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।’

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही सहित सभी जिलों में आयोजित हुए त्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम, समय पर जांच

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर प्रदेशभर में जागरूकता, जांच और टीकाकरण अभियान को मिली गति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुदृढ़ और जनकेद्रित स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्रदेशभर में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तथा सामुदायिक स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को हेपेटाइटिस बी एवं सी संक्रमण से बचाव, समय पर जांच, टीकाकरण तथा सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप प्रदेश में आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से निवारक



स्वास्थ्य सेवाओं, समय पर रोगों की पहचान तथा जनजागरूकता को स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता बनाया गया है, जिससे गंभीर बीमारियों की रोकथाम एवं प्रभावी उपचार सुनिश्चित हो सके। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही सहित प्रदेश के सभी जिलों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

किए गए। शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में हेपेटाइटिस बी एवं सी की स्क्रीनिंग की गई तथा स्वास्थ्य कर्मियों एवं उच्च जोखिम वाले हितग्राहियों का हेपेटाइटिस-बी टीकाकरण किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में परामर्श सत्र, स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम और प्रचार-प्रसार गतिविधियों के माध्यम से लोगों को

संक्रमण से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में विशेष अभियान चलाकर आमजन को हेपेटाइटिस के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और उपचार से इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि हेपेटाइटिस के प्रमुख लक्षणों में बुखार, भूख कम लगना, अत्यधिक थकान, जोड़ों में दर्द, अनिद्रा, पैंतरे में सूजन, त्वचा में खुजली तथा गहरे रंग का मूत्र शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर निकटतम शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल जांच कराने की सलाह दी गई है। प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए सभी गर्भवती महिलाओं की नियमित रूप से हेपेटाइटिस-बी जांच कराई जा रही है,

ताकि नवजात शिशुओं को संक्रमण से सुरक्षित रखा जा सके। प्रदेश के सभी शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में हेपेटाइटिस की निःशुल्क जांच तथा जिला चिकित्सालयों में उपचार की सुविधा उपलब्ध है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे हेपेटाइटिस के प्रति जागरूक रहें, सुरक्षित स्वास्थ्य व्यवहार अपनाएं, समय पर जांच एवं टीकाकरण कराएं तथा किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर निकटतम शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क जांच और उपचार का लाभ अवश्य लें। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक तक सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाकर स्वस्थ, सुरक्षित एवं निरोग छत्तीसगढ़ का निर्माण करना है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से पूरा हुआ चंद्रकला का पक्के घर का मीडिया



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण गरीब परिवारों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक आवास का मजबूत माध्यम बन रही है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के ग्राम पंचायत पामगल निवासी श्रीमती चंद्रकला इसका प्रेरक उदाहरण हैं। इस योजना की मदद से उनका वर्षों पुराना पक्के घर का सपना साकार हो गया है। परिवार को स्वच्छ, सुरक्षित और मजबूत पक्के मकान में मिला खुशहाल जीवन पहले चंद्रकला का परिवार कच्चे और जर्जर मकान में रहता था। बारिश के दिनों में घर में पानी टपकता था और हर समय दुर्घटना का डर बना रहता था। असुरक्षित मकान के कारण परिवार को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत उन्हें पक्का आवास स्वीकृत हुआ। योजना से मिली वित्तीय सहायता तथा ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत के सहयोग से समय पर उनके नए घर का निर्माण पूरा हुआ। आज उनका परिवार स्वच्छ, सुरक्षित और मजबूत पक्के मकान में खुशहाल जीवन जी रहा है। नए घर से परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। बच्चों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिला है। श्रीमती चंद्रकला के परिवार का आत्मविश्वास बढ़ा अब बारिश और अन्य मौसम की परेशानियों की चिंता नहीं रहती। परिवार का आत्मविश्वास बढ़ा है और जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। श्रीमती चंद्रकला ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उनके परिवार को नया जीवन दिया है। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण गरीब परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है और हर पात्र परिवार को इसका लाभ अवश्य उठाना चाहिए।

सीएम हेल्पलाइन से मिला त्वरित समाधान: छात्रा का डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र हुआ जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खैरागढ़ जिले के वनांचल क्षेत्र साल्हेवारा अंतर्गत ग्राम सरोधी निवासी श्री महावीर पांचे की समस्या का त्वरित निराकरण करते हुए उनकी पुत्री का डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। स्कूल में प्रवेश के लिए ऑनलाइन जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर उन्होंने सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से आवेदन किया था। इससे पहले उनकी पुत्री के जन्म के समय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र साल्हेवारा द्वारा केवल मैनुअल जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया था, लेकिन वर्तमान में विभिन्न शासकीय सेवाओं एवं शैक्षणिक संस्थानों में ऑनलाइन सत्यापन योग्य डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई की। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र साल्हेवारा द्वारा अभिलेखों का परीक्षण कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार छात्रा का ऑनलाइन डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र तैयार कर जारी किया गया। इससे परिवार को समय पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हो गया और छात्रा के स्कूल प्रवेश से जुड़ी प्रक्रिया भी सरलता से पूरी हो सकी। महावीर पांचे ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से उनकी समस्या का शीघ्र समाधान हुआ, जिससे उन्हें कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण में सीएम हेल्पलाइन 1076 एक प्रभावी माध्यम साबित हो रही है। यह पहल शासन की पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनहितैषी प्रशासनिक व्यवस्था का बेहतर उदाहरण है, जिससे आम लोगों को समयबद्ध सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

बिजली उपभोक्ता से बने ऊर्जा उत्पादक, पीएम सूर्य घर योजना ने बिजली श्री यश अग्रवाल की सोच 5 किलोवाट



सोलर प्लांट से हर महीने हजारों रुपये की बचत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदूषण मुक्त और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा संचालित पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। योजना के माध्यम से लोग अपने घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संचयन स्थापित कर न केवल बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत कर रहे हैं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में भी अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। सूरजपुर जिले के भैयाथान रोड निवासी श्री यश अग्रवाल इस योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण बने हैं। उन्होंने अपने घर की छत पर 05 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संचयन स्थापित कराया है। इसके लिए उन्हें केंद्र सरकार से 78,000₹ की सब्सिडी प्राप्त हुई, वहीं राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही 30,000₹ की अतिरिक्त अनुदान राशि का भी लाभ मिला। श्री अग्रवाल बताते हैं कि पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 6,000₹ आता था। सौर संचयन स्थापित होने के बाद बिजली बिल में भारी कमी आई है। अब प्रतिदिन उत्पन्न होने वाली बिजली का उपयोग वे अपनी घरेलू आवश्यकताओं के लिए करते हैं तथा अतिरिक्त बिजली विद्युत ग्रिड के माध्यम से विभाग को उपलब्ध कराई जाती है। श्री यश अग्रवाल गवं के साथ कहते हैं, 'एक समय था जब हम केवल बिजली के उपभोक्ता थे, लेकिन आज हम बिजली का उत्पादन भी कर रहे हैं।' उनके अनुसार यह योजना आर्थिक बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही यश अग्रवाल ने जिले के अन्य नागरिकों से भी पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर अपने घरों में सौर ऊर्जा संचयन स्थापित करने की अपील की है। उनका कहना है कि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा अपनाकर न केवल बिजली खर्च कम किया जा सकता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

लंबित निरीक्षण प्रतिवेदनों की होगी समीक्षा 30 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विभिन्न विभागों में लंबित निरीक्षण प्रतिवेदनों के जल्द निराकरण के लिए मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) कार्यालय ने 30 जुलाई 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक बुलाई है। बैठक में लंबे समय से लंबित मामलों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग, छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने लंबित निरीक्षण प्रतिवेदनों की समीक्षा कर आवश्यक दस्तावेज और अनुपालन संबंधी जानकारी के साथ बैठक में शामिल हों। साथ ही, लंबित मामलों के जल्द से जल्द निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) कार्यालय का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य निरीक्षण प्रतिवेदनों का समय पर निपटारा करना और विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है, ताकि लंबित प्रकरणों का शीघ्र समाधान हो सके।

विश्व मंच पर छत्तीसगढ़ की बेटी का दमदार प्रदर्शन, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वीडियो कॉल पर दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव निवासी एवं छत्तीसगढ़ पुलिस से सहायक उप निरीक्षक ज्ञानेश्वरी यादव से वीडियो कॉल के माध्यम से आत्मीय बातचीत कर उन्हें इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने ज्ञानेश्वरी यादव को रजत पदक जीतने पर पुनः बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता वर्षों की कठिनाई साधना और निरंतर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञानेश्वरी भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत और छत्तीसगढ़ का नाम नई



ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आपसे प्रतियोगिता के लिए रवाना होने से पहले भी मुलाकात हुई थी और आज आपकी सफलता पर पुनः बात करके अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आपने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आपकी उपलब्धि प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को

बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि प्रदेश की प्रतिभाएं विश्व मंच पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। ज्ञानेश्वरी यादव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आत्मीय स्नेह, प्रोत्साहन और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का आशीर्वाद और प्रदेशवासियों का स्नेह उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव निवासी ज्ञानेश्वरी यादव छत्तीसगढ़ पुलिस में सहायक उप निरीक्षक के रूप में सेवाएं दे रही हैं। खेल और सेवा, दोनों क्षेत्रों में उनका समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में रजत पदक जीतकर उन्होंने भारत और छत्तीसगढ़ दोनों का मान बढ़ाया है।

दूरस्थ ग्राम रामपुर में शुरू हुई मजबूत मोबाइल नेटवर्क सुविधा नए मोबाइल टॉवर से शिक्षा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर

(निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर जिले के उसूर विकासखंड की ग्राम पंचायत पुजारीकांकेर के अंतर्गत स्थित दूरस्थ ग्राम रामपुर में नया मोबाइल नेटवर्क टॉवर शुरू होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। वर्षों से कमजोर मोबाइल नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे गांव में अब बेहतर मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध होने लगी हैं। ग्रामीणों को मिलेगा बेहतर मोबाइल और इंटरनेट नेटवर्क जिला मुख्यालय बीजापुर से लगभग 55 से 60 किलोमीटर दूर स्थित इस वनांचल क्षेत्र में मोबाइल टॉवर शुरू होने से रामपुर सहित आसपास के गांवों की संचार व्यवस्था मजबूत हुई है। अब ग्रामीण आसानी से मोबाइल कॉल कर सकेंगे और तेज इंटरनेट का उपयोग



कर पाएंगे। विद्यार्थियों, किसानों और युवाओं को होगा सीधा लाभ नई नेटवर्क सुविधा का सबसे अधिक लाभ विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, किसानों,

व्यापारियों और आम नागरिकों को मिलेगा। अब ऑनलाइन पढ़ाई, डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई भुगतान, शासकीय योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन, ई-गवर्नेंस सेवाओं तथा अन्य डिजिटल सेवाओं का उपयोग पहले की तुलना में अधिक सरल और तेज होगा। स्वास्थ्य सेवाओं और आपातकालीन संपर्क में मिलेगी सुविधा बेहतर नेटवर्क उपलब्ध होने से आपातकालीन परिस्थितियों में स्वास्थ्य सेवाओं से संपर्क करना आसान होगा। ग्रामीण अपने परिजनों से निर्बाध रूप से संवाद कर सकेंगे तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी और सेवाओं का लाभ समय पर प्राप्त कर सकेंगे। ग्रामीणों ने जताई खुशी स्थानीय ग्रामीणों ने मोबाइल टॉवर शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते

आईसीएआर-एनआईबीएसएम में ब्रह्माकुमारीज़ के ‘इको केयर’ अभियान के तहत विशेष सत्र सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान में ब्रह्माकुमारीज़ के वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय अभियान 'इको केयर एंड डिजाइन मैनेजमेंट' के अंतर्गत 'तनाव प्रबंधन एवं प्रकृति संरक्षण' विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ के वरिष्ठ राजयोगी एवं वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग के दिल्ली जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. पीयूष गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अपने प्रेरणादायक एवं व्यावहारिक व्याख्यान में उन्होंने कहा कि वास्तविक शक्ति का आधार आंतरिक संतुलन और मानसिक सुदृढ़ता है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति मानसिक रूप से सशक्त होता है, वही जीवन की चुनौतियों और बाहरी आपदाओं का सफलतापूर्वक सामना कर सकता है। तनाव प्रबंधन पर अपने विचार रखते हुए डॉ. गोयल ने प्रतिभागियों से अपनी क्षमताओं को पहचानने, स्वयं की सरहना करने तथा सदैव सकारात्मक सोच अपनाने का



आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मन में शुद्ध एवं श्रेष्ठ विचारों का विकास मानसिक ऊर्जा को बढ़ाता है, जिससे तनाव स्वतः

कम होने लगता है उन्होंने सभी से पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक का पूर्णतः बहिष्कार तथा जल

संरक्षण के संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है, जिसे कृत्रिम रूप से बनाया नहीं

जा सकता, इसलिए इसकी प्रत्येक बूंद का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं जल बचाने की सामूहिक शपथ लेकर सतत एवं उत्तरदायी जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. राय, संयुक्त निदेशक डॉ. अनिल दीक्षित, डॉ. पंकज शर्मा एवं डॉ. डेजी बंसदराय, संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, शोधकर्ता तथा समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर निदेशक डॉ. पी.के. राय ने डॉ. पीयूष गोयल का ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक व्याख्यान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक जीवन मूल्यों तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस.के. शर्मा ने किया तथा अंत में उन्होंने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।